

प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना को लेकर लिया अहम फैसला, मल्लिमंडल ने इस योजना को वित्त वर्ष 2026-27 से 2030-31 तक जारी रखने की मंजूरी दी



पांच वर्षों तक जारी रखने का फैसला किया है। हम आपको बता दें कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में हुई केंद्रीय मंत्रिमंडल की बैठक में कृषि, ऊर्जा, खेल और हरित किसान पर केंद्रित फैसलों के साथ कुल 4 लाख 41 हजार 209 करोड़ रुपये की योजनाओं को मंजूरी दी गयी है। सरकार का मानना है कि ये निर्णय एक ओर किसानों की आय को स्थिर आधार देंगे तो दूसरी ओर भारत को ऊर्जा, खेल और हरित विकास के क्षेत्र में दीर्घकालिक मजबूती प्रदान करेंगे। केंद्रीय सूचना और प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने मंत्रिमंडल के फैसलों की जानकारी मीडिया को दी। उन्होंने कहा कि सबसे बड़ा फैसला प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना को लेकर लिया गया है। मंत्रिमंडल ने इस योजना को वित्त वर्ष 2026-27 से 2030-31 तक जारी रखने की मंजूरी देते हुए इसके लिए 3 लाख 15 हजार 614 करोड़ रुपये का प्रावधान किया है। योजना के तहत पात्र भूमिधारक किसान परिवारों को हर वर्ष 6 हजार रुपये की सहायता तीन समान किस्तों में सीधे उनके बैंक खातों में भेजी जाती रहेगी। मोदी सरकार का कहना है कि इससे किसानों को बुआई के समय नकदी की उपलब्धता सुनिश्चित होगी, महंगे साहूकारी कर्ज पर

निर्भरता कम होगी और बीज, उर्वरक तथा अन्य कृषि निवेश खरीदने में आसानी होगी। मोदी सरकार के अनुसार अब तक इस योजना के माध्यम से 23 किस्तों में 4.47 लाख करोड़ रुपये से अधिक की राशि किसानों तक पहुंचाई जा चुकी है। इसके अलावा, स्वच्छ ऊर्जा के क्षेत्र में भी सरकार ने बड़ा कदम उठाया है। प्रधानमंत्री सूर्य सरोवर योजना के लिए 5,070 करोड़ रुपये की मंजूरी दी गई है। योजना का लक्ष्य अगले पांच वर्षों में 5,000 मेगावाट प्लोटिंग सोलर क्षमता विकसित करना है। जलाशयों, नहरों और औद्योगिक जलाशयों पर स्थापित होने वाली ये परियोजनाएं बिना अतिरिक्त भूमि अधिग्रहण के सौर ऊर्जा उत्पादन बढ़ाएंगी। परियोजनाओं में ऊर्जा भंडारण प्रणाली भी शामिल होगी, जिससे राज्यों को बिजली की मांग के चरम समय में सहायता मिलेगी। मोदी सरकार का अनुमान है कि इससे हर वर्ष लगभग एक करोड़ टन कार्बन उत्सर्जन कम होगा तथा 16 से 17 हजार प्रत्यक्ष रोजगार के अवसर भी सृजित होंगे। इसके अलावा, खेल क्षेत्र को वैश्विक प्रतिस्पर्धा के लिए तैयार करने के उद्देश्य से मंत्रिमंडल ने खेलो इंडिया योजना और राष्ट्रीय खेल

महासंघ सहायता योजना के लिए कुल 36 हजार 441 करोड़ रुपये मंजूर किए हैं। इनमें खेलो इंडिया के लिए 29 हजार 54 करोड़ रुपये तथा राष्ट्रीय खेल महासंघों के लिए 7 हजार 387 करोड़ रुपये का प्रावधान है। मोदी सरकार के अनुसार इस निवेश से खेल अवसरचना मजबूत होगी, प्रतिभाओं की पहचान और वैज्ञानिक प्रशिक्षण को बढ़ावा मिलेगा तथा भारत के ओलंपिक और पैरालंपिक लक्ष्यों को नई गति मिलेगी। साथ ही महिलाओं, पैरा खिलाड़ियों और पारंपरिक भारतीय खेलों को भी विशेष प्रोत्साहन मिलेगा। साथ ही ऊर्जा सुरक्षा के लिहाज से सबसे महत्वपूर्ण निर्णय 'समुद्र मंथन' राष्ट्रीय अपतटीय अन्वेषण योजना को माना जा रहा है। 84 हजार 84 करोड़ रुपये की इस योजना के तहत समुद्री क्षेत्रों में तेल और प्राकृतिक गैस की खोज के लिए भूकंपीय सर्वेक्षण, गहरे समुद्र में ड्रिलिंग, साझा आधारभूत ढांचे के विकास और तेल एवं गैस क्षेत्र के विनिर्माण को बढ़ावा दिया जाएगा। सरकार का लक्ष्य घरेलू तेल और गैस भंडार बढ़ाना, उत्पादन में वृद्धि करना और आयात पर निर्भरता कम करना है। अश्विनी वैष्णव द्वारा दिये गये प्रस्तुतीकरण के अनुसार योजना से घरेलू

ग्रेटर नोएडा में 25 सितंबर से होगा इंटरनेशनल ट्रेड शो, इस बार जुड़ेगे 85 देशों के उद्योगपति और औद्योगिक घराने



लखनऊ। उत्तर प्रदेश में विश्व के व्यापारिक घरानों को एक बार फिर बड़ा प्लेटफार्म मिलने जा रहा है। ग्रेटर नोएडा के इंडिया एक्सपो सेंटर एंड मार्ट में 25 से 29 सितंबर तक इंटरनेशनल ट्रेड शो (यूपीआईटीएस) आयोजित किया जा रहा है। इंटरनेशनल ट्रेड शो को दुनिया के कारोबारियों, निर्यातकों को उत्तर प्रदेश का बाजार उपलब्ध कराने का बड़ा मंच माना जाता है। निवेश से लाभ की संभावना प्रदर्शित करने वाला इंटरनेशनल ट्रेड शो (यूपीआईटीएस) इसमें 85 देशों के 550 से अधिक अन्तरराष्ट्रीय कारोबारियों की हिस्सेदारी की संभावना है। इसमें चार हजार एमओयू, 3200 करोड़ से अधिक मूल्य के प्रस्तावित एमओयू और 13,500 करोड़ से अधिक बिजनेस इक्वायरी होने की उम्मीद भी जतायी गयी है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को राज्य के चौथे यूपीआईटीएस की तैयारियों की समीक्षा करते हुए कहा यह शो औद्योगिक क्षमता, नवाचार, उत्पादों और निर्यात सामर्थ्य को विश्व के समक्ष प्रस्तुत करने का अवसर है। मुख्यमंत्री ने जोड़ा कि यह शो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मेक इन इंडिया और मेक फार द वर्ल्ड के विजन को बढ़ाने और प्रदेश की असीमित क्षमता प्रदर्शित करने का मंच भी है। उन्होंने अधिकारियों से कहा

कि सिंगापुर, ओमान, आस्ट्रिया, ब्राजील, थाइलैंड, जापान, इंडोनेशिया, रूस सहित अन्य देशों के प्रतिनिधियों से संवाद स्थापित कर उनकी यहां सहभागिता सुनिश्चित की जाए। देश और विदेश में आयोजन का व्यापक प्रचार-प्रसार किया जाए, ताकि अधिक से अधिक निवेशक, खरीदार सहभागी बनें। अधिकारियों ने मुख्यमंत्री को बताया कि इस वर्ष ट्रेड शो की थीम यूपी फार ग्लोबल ग्रेथरु इन्वोवेशन, मैन्युफैक्चरिंग एंड एक्सपोर्ट्स निर्यात किया गया है। इसमें 2400 से अधिक प्रदर्शकों, 1.50 लाख से अधिक पंजीकृत बीटूबी (बिजनेस टू बिजनेस) खरीदारों, 4.50 लाख से अधिक बीटूसी (बिजनेस टू कस्टमर) आगंतुकों और 550 से अधिक अंतरराष्ट्रीय खरीदारों की सहभागिता का लक्ष्य है। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों से

कहा इस बार ओडीओपी (एक जिला, एक उत्पाद), ओडीओसी, एमएसएमई (सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम), इलेक्ट्रॉनिक्स एवं आईटी, रक्षा एवं एयरोस्पेस, कृषि एवं संबद्ध क्षेत्र, पर्यटन एवं फिल्म, अक्षय ऊर्जा, आर्टो एवं इलेक्ट्रिक वाहन, फार्मा एवं स्वास्थ्य, कौशल विकास, नागरिक उड्डयन, वित्तीय सेवाएं, स्टार्टअप, लाजिस्टिक्स, फूड प्रोसेसिंग, हस्तशिल्प, खादी, वस्त्र, चमड़ा, फर्नीचर तथा अन्य प्रमुख क्षेत्रों का प्रदर्शन किया जाए। मुख्यमंत्री ने शैक्षणिक समारोह (नालेज सेशन) को उद्योग जगत, निवेशकों और उद्यमियों के लिए उपयोगी बनाया जाए। कृत्रिम बुद्धिमत्ता एवं साइबर अपराध, इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण, बैंकिंग एवं वित्त, ठोस अपशिष्ट प्रबंधन, नई श्रम संहिताएं, खाद्य प्रसंस्करण नीति, सड़क सुरक्षा, ई-कामर्स, वैश्विक मुक्त व्यापार समझौते,

एमएसएमई पर विशेषज्ञ चर्चा की करायी जाए। प्रत्येक दिन शास्त्रीय संगीत, कथक, लोकनृत्य, लोकगायन, भजन, गजल तथा अन्य सांस्कृतिक प्रस्तुतियों का आकर्षक आयोजन किया जाए, ताकि देश-विदेश से आये लोग उत्तर प्रदेश की सांस्कृतिक विविधता का अनुभव कर सकें। मुख्यमंत्री ने कहा कि ट्रेड शो में उद्यमी मित्र, विश्वविद्यालयों के विद्यार्थियों और युवाओं की सहभागिता भी बढ़ायी जाए। आगंतुकों, खरीदारों और उद्यमियों को बेहतर सुविधा एवं सहयोग उपलब्ध कराया जा सके। मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तर प्रदेश इंटरनेशनल ट्रेड शो केवल व्यापारिक आयोजन नहीं, बल्कि विकसित उत्तर प्रदेश और एक ट्रिलियन डॉलर अर्थव्यवस्था के लक्ष्य की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।

मुख्यमंत्री कृषक छात्रवृत्ति योजना का दायरा बढ़ाएंगी यूपी सरकार, सीएम योगी ने दिए निर्देश

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने किसानों और खेतिहर मजदूरों के मेधावी बच्चों के लिए संचालित मुख्यमंत्री कृषक छात्रवृत्ति योजना का दायरा बढ़ाने के निर्देश दिए हैं। उत्तर प्रदेश राज्य कृषि उत्पादन मंडी परिषद के संचालक मंडल की 172वीं बैठक में मुख्यमंत्री ने कहा कि योजना से अधिक से अधिक पात्र विद्यार्थियों को लाभान्वित करने की रूपरेखा तैयार की जाए। मुख्यमंत्री कृषक दुर्घटना सहायता योजना तथा मुख्यमंत्री खेत-खलिहान अग्निकांड दुर्घटना सहायता योजना की अवधि एक जुलाई 2025 से 30 जून 2030 तक बढ़ाने के प्रस्ताव को स्वीकृति दी। वर्तमान वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए 3025.49 करोड़ रुपये के बजट सहित

किसान कल्याण, कृषि विपणन व मंडी व्यवस्था से जुड़े प्रस्तावों को भी स्वीकृत किया गया। बैठक में मुख्यमंत्री ने कहा कि मंडियों का आधुनिकीकरण व पुनरोद्धार कर आधुनिक सुविधाओं से लैस किया जाए, ताकि किसानों को बेहतर विपणन व्यवस्था उपलब्ध हो। पेयजल, स्वच्छता, प्रकाश व्यवस्था आदि सभी मूलभूत सुविधाओं को सुदृढ़ किया जाए। मुख्यमंत्री ने मंडी स्थलों में पीपीपी माडल पर कृषि उपज प्रसंस्करण इकाइयों की स्थापना को प्रोत्साहित करने और इससे संबंधित नियमों को व्यावहारिक व निवेश अनुकूल बनाने के निर्देश दिए। कहा कि किसानों को उपज का बेहतर मूल्य, मूल्य संवर्धन व ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार के नए अवसर उपलब्ध

कराने में कृषि प्रसंस्करण अहम भूमिका निभाएगा। उन्होंने ज्यादा कृषक दुर्घटना सहायता योजना व मुख्यमंत्री खेत-खलिहान



से ज्यादा मंडियों को ई-नाम (राष्ट्रीय कृषि बाजार) प्लेटफॉर्म से जोड़ने, राष्ट्रीय प्राकृतिक खेती मिशन को बढ़ाने और हर जिले में आर्गेनिक उत्पादों के प्रमाणीकरण की व्यवस्था सुनिश्चित करने के भी निर्देश दिए। संचालक मंडल ने मुख्यमंत्री

छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने शुक्रवार को नई दिल्ली में केंद्रीय ग्रामीण विकास और कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान से मुलाकात

एजेंसी। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान से बस्तर को नक्सल-मुक्त होने के बाद विकास के लिए प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना (PMGSY) के नियमों में ढील देने का अनुरोध किया। उन्होंने कम जनसंख्या घनत्व के कारण सड़क कनेक्टिविटी की चुनौतियों पर प्रकाश डाला, जिस पर केंद्रीय मंत्री ने बस्तर के लिए विशेष सड़क नेटवर्क की योजना बनाने का आश्वासन दिया। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने शुक्रवार को नई दिल्ली में केंद्रीय ग्रामीण विकास और कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान से मुलाकात की। उन्होंने बस्तर में विकास कार्यों में तेजी लाने के लिए केंद्र की बुनियादी ढांचा योजनाओं में विशेष छूट देने का अनुरोध किया। डिप्टी चीफ मिनिस्टर विजय शर्मा के साथ मौजूद साई ने इस बात पर जोर दिया कि 40-50 साल के

विद्रोह के बाद इस इलाके के शांतिपूर्ण क्षेत्र में बदलने के बाद, यहाँ बेहतर सड़क कनेक्टिविटी की बहुत जरूरत है। साय ने कहा कि आज, हमारे राज्य के डिप्टी डेव विजय शर्मा के साथ, हमने केंद्रीय ग्रामीण विकास और कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान से मुलाकात कीय बैठक में अधिकारी भी मौजूद थे। 40-50 साल बाद, हमारा बस्तर इलाका आखिरकार नक्सल-मुक्त हो गया है और वहां विकास की बहुत जरूरत है। विकास के नजरिए से कनेक्टिविटी बहुत जरूरी है। उन्होंने बताया कि हालांकि छत्तीसगढ़ को प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना (PMGSY) से फायदा हुआ है, लेकिन बस्तर के बड़े इलाकों में आबादी का घनत्व कम होने के कारण इस योजना के तहत मिलने वाली फंडिंग की मानक गाइडलाइंस के हिसाब से चुनौतियां आती हैं। इस वजह से दूर-दराज की बस्तियों को जोड़ने वाली सड़कें बनाना मुश्किल हो जाता है। साय

ने कहा कि हालांकि हमें प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत कई सड़कें मिली हैं, लेकिन उस इलाके में आबादी का घनत्व बहुत कम है। इसलिए, हमने मंत्री से मिलकर योजना के नियमों में कुछ ढील देने का अनुरोध किया। उन्होंने हमारी बात धैर्यपूर्वक सुनी और भारो सा दिलाया कि वे इस मामले में पहल करेंगे। केंद्रीय मंत्री चौहान ने साई के नेतृत्व की तारीफ की और बस्तर के लिए एक खास सड़क नेटवर्क बनाने की योजना की पुष्टि की। चौहान ने कहा कि आज मैंने छत्तीसगढ़ से जुड़े मुद्दों पर मुख्यमंत्री विष्णु देव साय वृजिनके नेतृत्व में राज्य सरकार और विकास की नई



दिल्ली पुलिस के घायल कर्मियों के परिजनों की भावुक अपील, हर वर्दी के पीछे होता है एक पूरा परिवार, उसे भी न्याय मिलना चाहिए

एजेंसी दिल्ली। घायल पुलिसकर्मियों के परिवारों ने कहा कि संसद और सार्वजनिक विमर्श में अब तक चर्चा मुख्य रूप से पुलिस कार्रवाई और कथित प्रताड़ना के आरोपों पर केंद्रित रही, जबकि ड्यूटी के दौरान घायल हुए जवानों और उनके परिवारों की तकलीफ को लगभग नजरअंदाज कर दिया गया। लोकतंत्र में विरोध-प्रदर्शन नागरिकों का अधिकार है, लेकिन जब प्रदर्शन हिंसा में बदल जाए, सुरक्षाकर्मियों पर पत्थर, बोटलें और अन्य वस्तुएं बरसाई जाएं और कानून

व्यवस्था संभाल रहे पुलिसकर्मी लहलुहान हो जाएं, तब सबसे बड़ा सवाल यह उठता है कि आखिर उनकी पीड़ा की आवाज कौन उठाएगा? 20 जुलाई को काँग्रेस जनता पार्टी (काँजपा) के 'चलो संसद' मार्च के दौरान घायल हुए दिल्ली पुलिस के जवानों के परिजनों और दिल्ली पुलिस महासंघ ने आज एक साझा संदेश दिया कि संसद और देश में केवल प्रदर्शनकारियों की चोटों की नहीं, बल्कि ड्यूटी निभाते हुए घायल हुए पुलिसकर्मियों और उनके परिवारों की पीड़ा पर भी

चर्चा होनी चाहिए। हम आपको बता दें कि कॉन्स्टिटेबल क्लब ऑफ इंडिया में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में घायल पुलिस अधिकारियों के परिजनों ने उन भयावह पलों को साझा किया, जिन्हें उन्होंने हिंसा वाली रात झेला। एक सहायक पुलिस आयुक्त (एससीपी) की पत्नी उपनीत कौर ने बताया कि वह रात उनके परिवार, खासकर उनकी दो वर्षीय बेटी के लिए गहरे आघात की रात थी। उन्होंने कहा कि पुलिस ने भीड़ से बार-बार शांति बनाए रखने की अपील की, लेकिन जवाब में पुलिस पर पत्थर,

बोटलें, चप्पलें और अन्य वस्तुएं फेंकी गईं। उन्होंने कहा कि हर वर्दी के पीछे केवल एक पुलिस अधिकारी नहीं, बल्कि उसका पूरा परिवार होता है, जिसकी चिंता और पीड़ा अक्सर सार्वजनिक बहस से गायब रहती है। घायल पुलिसकर्मियों के परिवारों ने कहा कि संसद और सार्वजनिक विमर्श में अब तक चर्चा मुख्य रूप से पुलिस कार्रवाई और कथित प्रताड़ना के आरोपों पर केंद्रित रही, जबकि ड्यूटी के दौरान घायल हुए जवानों और उनके परिवारों की तकलीफ को लगभग नजरअंदाज कर दिया गया।

यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो-2026 वैश्विक व्यापार और निवेश का बनेगा सबसे बड़ा मंच, मुख्यमंत्री ने तैयारियों को दिया अंतिम रूप

लखनऊ, (आरएनएस)। उत्तर प्रदेश को वैश्विक व्यापार, विनिर्माण और निर्यात का प्रमुख केंद्र बनाने की दिशा में राज्य सरकार ने एक और बड़ा कदम बढ़ाया है। आगामी 25 से 29 सितम्बर तक ग्रेटर नोएडा स्थित इंडिया एक्सपो सेंटर एंड मार्ट में आयोजित होने वाले उत्तर प्रदेश इंटरनेशनल ट्रेड शो (यूपीआईटीएस)—2026 के चौथे संस्करण को लेकर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक कर तैयारियां का जायजा लिया। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह आयोजन केवल व्यापारिक प्रदर्शनी नहीं, बल्कि उत्तर प्रदेश की औद्योगिक क्षमता, निवेश संभावनाओं और वैश्विक प्रतिस्पर्धामक शक्ति को दुनिया के सामने प्रस्तुत करने का प्रभावी मंच है।मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि आयोजन का देश और विदेश में व्यापक प्रचार—प्रसार किया जाए, ताकि अधिक से अधिक निवेशक, खरीदार और उद्यमी इसमें भाग लें। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश अल एग्जलिटिवेटेड पोर्टेशियन वाला प्रदेश बन चुका है और इंटरनेशनल ट्रेड शो इस क्षमता को दुनिया तक पहुंचाने का सबसे उपयुक्त माध्यम है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के भ्मेक इन इंडिया और भ्मेक फॉर द वर्ल्ड के विजन को आगे बढ़ाने में इस आयोजन की महत्वपूर्ण भूमिका बताते हुए सभी विभागों को समन्वय के साथ समयबद्ध तैयारियां पूरी करने के निर्देश दिए।इस वर्ष ट्रेड शो की थीम यूपी फॉर ग्लोबल

ग्रेथर इनोवेशन, मैनुफैक्चरिंग एंड एक्सपोर्ट्स रखी गई है। आयोजन में 2400 से अधिक प्रदर्शकों, 1.50 लाख से अधिक बी2बी खरीदारों, 4.50 लाख से अधिक आम आगंतुकों तथा 85 देशों से 550 से अधिक अंतरराष्ट्रीय खरीदारों की सहभागिता का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। इसके अलावा 4000 से अधिक समझौता ज्ञापनों (एमआयू), 3200 करोड़ रुपये से अधिक के प्रस्तावित निवेश समझौते तथा 13,500 करोड़ रुपये से अधिक की व्यावसायिक पूछताछ का लक्ष्य रखा गया है। मुख्यमंत्री ने सिंगापुर, जापान, रूस, ब्राजील, थाईलैंड, इंडोनेशिया, ऑस्ट्रिया और ओमान सहित अन्य देशों की अधिकाधिक भागीदारी सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए।बैठक में बताया गया कि इस बार ट्रेड शो में ओडीओपी, ओडीओसी, एमएसएमई, इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी, रक्षा एवं एयरोस्पेस, कृषि एवं कृषि आधारित उद्योग, पर्यटन, स्टार्टअप, अक्षय ऊर्जा, इलेक्ट्रिक वाहन, फार्मा, स्वास्थ्य सेवाएं, लॉजिस्टिक्स, खाद्य प्रसंस्करण, हस्तशिल्प, खादी, वस्त्र, चमड़ा, फर्नीचर सहित 27 से अधिक प्रमुख क्षेत्रों की प्रदर्शनी लगाई जाएगी। इससे प्रदेश की औद्योगिक, आर्थिक और निर्यात क्षमता का व्यापक प्रदर्शन एक ही मंच पर देखने को मिलेगा।मुख्यमंत्री ने नॉलेज सेशन को भी इस आयोजन का प्रमुख आकर्षण बनाने के निर्देश दिए। इन सत्रों में कृत्रिम बुद्धिमत्ता, साइबर अपराध, इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण, डिजिटल व्यापार, बैंकिंग एवं वित्त, ठोस अपशिष्ट प्रबंधन, नई श्रम संहिताएं, वैश्विक मुक्त

व्यापार समझौते, ई—कॉमर्स, खाद्य प्रसंस्करण नीति, सड़क सुरक्षा तथा एमएसएमई जैसे समकालीन विषयों पर विशेषज्ञों द्वारा चर्चा की जाएगी।मुख्यमंत्री ने कहा कि व्यापार के साथ—साथ उत्तर प्रदेश की सांस्कृतिक विरासत भी इस आयोजन की पहचान बने। उन्होंने सभी दिनों में शास्त्रीय संगीत, कथक, लोकनृत्य, लोकगायन, भजन और गजल जैसी सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के आयोजन के निर्देश दिए, ताकि देश—विदेश से आने वाले मेहमान प्रदेश की समृद्ध सांस्कृतिक परंपरा से भी परिचित हो सकें।बैठक में जानकारी दी गई कि अंतरराष्ट्रीय खरीदारों को जोड़ने के लिए विदेशों में भारतीय दूतावासों और व्यापारिक मिशनों के साथ लगातार समन्वय किया जा रहा है। विभिन्न देशों के खरीदारों से संपर्क स्थापित कर बायर—सेलर मीट आयोजित की जाएंगी, जिससे उत्तर प्रदेश के उद्यमियों और निर्यातकों को नए वैश्विक बाजार उपलब्ध हो सकें।मुख्यमंत्री ने आयोजन के दौरान आगंतुकों की सुविधा के लिए उद्यमी मित्रों की तैनाती, विश्वविद्यालयों और उच्च शिक्षण संस्थानों के विद्यार्थियों की सहभागिता तथा बेहतर मार्गदर्शन व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने ट्रैफिक प्रबंधन, पार्किंग, सुरक्षा, वीआईपी आवागमन और आम नागरिकों की सुविधाओं की भी विस्तृत समीक्षा की। साथ ही आयोजन स्थल तक इलेक्ट्रिक बसों के संचालन की व्यवस्था सुनिश्चित करने को कहा।बैठक में मुख्यमंत्री ने सरदार वल्लभभाई पटेल

रोजगार एवं औद्योगिक क्षेत्र विकास योजना की प्रगति की भी समीक्षा की। अधिकारियों ने बताया कि प्रदेश में कौशल विकास और औद्योगिक निवेश को बढ़ावा देने के उद्देश्य से तैयार की जा रही इस महत्वाकांक्षी योजना में बीबीजी समूह, टीसीएस और हीरानंदानी समूह ने रुचि दिखाई है। तकनीकी सहयोग के लिए टीसीएस ने सहमति प्रदान की है, जबकि अडि कारियों की टीम टाटा के प्रशिक्षण केंद्रों का अध्ययन भी कर चुकी है।योजना के तहत अब तक 19 जनपदों में लगभग 1320 एकड़ भूमि ख़्चि त की जा चुकी है। प्रथम चरण में एमएसएमई, यूपीसीडा, ग्रेटर नोएडा औद्योगिक विकास प्राधिकरण, यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राि कारण, उत्तर प्रदेश एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण, बुंदेलखंड औद्योगिक विकास प्राि करण तथा गोरखपुर औद्योगिक विकास प्राधिकरण के माध्यम से 17 कौशल एवं औद्योगिक केंद्र विकसित किए जाएंगे। नौ क्षेत्रीय हब एंड स्पोक मॉडल पर आध ारित इस योजना के तहत प्रतिवर्ष करीब 10 लाख युवाओं को कौशल प्रशिक्षण देने तथा 80 प्रतिशत प्रशिक्षित युवाओं के रोजगार का लक्ष्य निर्धारित किया गया है।मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तर प्रदेश इंटरनेशनल ट्रेड शो—2026 और सरदार वल्लभभाई पटेल रोजगार एवं औद्योगिक क्षेत्र विकास योजना प्रदेश को एक ट्रिलियन डॉलर अर्थव्यवस्था बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण आधार साबित होंगे।

किसानों और मेधावी विद्यार्थियों के लिए बड़ी सौगात मुख्यमंत्री ने कृषक छात्रवृत्ति योजना का दायरा बढ़ाने के लिए निर्देश, मंडी परिषद का 3025 करोड़ का बजट मंजू

लखनऊ, (आरएनएस)। उत्तर प्रदेश सरकार ने किसानों के हितों और मजबूत बनाने की दिशा में कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने किसानों के मेधावी बच्चों को अि क से अधिक लाभ पहुंचाने के उद्देश्य से मुख्यमंत्री कृषक छात्रवृत्ति योजना का दायरा बढ़ाने के निर्देश दिए हैं। इसके साथ ही प्रदेश की मंडियों के आधुनिकीकरण, कृषि विपणन व्यवस्था को मजबूत करने और किसान कल्याण से जुड़े अनेक प्रस्तावों को भी मंजूरी प्रदान की गई।शुक्रवार को मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में उत्तर प्रदेश राज्य कृषि उत्पादन मंडी परिषद के संचालक मंडल की 172वीं बैठक आयोजित हुई, जिसमें वित्तीय वर्ष 2026—27 के ख3025.49 करोड़ के बजट सहित किसान कल्याण और मंडी व्यवस्था से जुड़े कई अहम प्रस्तावों को स्वीकृति दी गई।बैठक में मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश की सभी मंडियों का आधुनिकीकरण कर उन्हें आधुनिक सुविधाओं से लैस किया जाए, ताकि किसानों को पारदर्शी, सुगम

और बेहतर विपणन व्यवस्था उपलब्ध हो सके। उन्होंने मंडियों में पेयजल, स्वच्छता, प्रकाश व्यवस्था और अन्य बुनियादी सुविधाओं को सुदृढ़ करने पर विशेष जोर दिया।मुख्यमंत्री ने मंडी परिसरों में सार्वजनिक—निजी भागीदारी (पीपीपी) मॉडल के तहत कृषि उपज प्रसंस्करण इकाइयों की स्थापना को बढ़ावा देने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि इसके लिए नियमों को अधिक व्यवहारिक और निवेश अनुकूल बनाया जाए, जिससे किसानों को अपनी उपज का बेहतर मूल्य मिले, कृषि उत्पादों का मूल्य संवर्धन हो और ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार के नए अवसर सृजित हों।बैठक में यह भी निर्णय लिया गया कि अधिक से अधिक मंडियों को राष्ट्रीय कृषि बाजार (ई—नाम) प्लेटफॉर्म से जोड़ा जाएगा। साथ ही राष्ट्रीय प्राकृतिक खेती मिशन से किसानों की भागीदारी बढ़ाने तथा प्रत्येक जनपद में जैविक उत्पादों के प्रमाणन का व्यवस्था विकसित की जाएगी।संचालक मंडल ने वर्ष 2025—26 के संशोधित आय—व्यय

अनुमान और वर्ष 2026—27 के बजट को भी मंजूरी दी। आगामी वित्तीय वर्ष के लिए ख2228.59 करोड़ की अनुमानित आय तथा ख3025.49 करोड़ के व्यय का प्रावधान किया गया है। बैठक में बताया गया कि मंडी समितियों की आय वर्ष 2024—25 में ख1991.33 करोड़ से बढ़कर वर्ष 2025—26 में ख2305.80 करोड़ हो गई है, जो 15.79 प्रतिशत की उल्लेखनीय वृद्धि दर्शाती है।बजट में मंडी स्थलों के निर्माण एवं विस्तार, संपर्क मार्गों के निर्माण और मरम्मत, ग्रामीण हाट, किसान बाजार, गोशंभ्र अश्रय स्थल, छात्रावास निर्माण, मंडी समितियों के लिए भूमि क्रय तथा अन्य विकास कार्यों के लिए पर्याप्त धनराशि का प्रावधान किया गया है। पूर्व से स्वीकृत निर्माण कार्यों को गति देने के लिए ख212.02 करोड़ की व्यवस्था भी की गई है।बैठक में मुख्यमंत्री कृषक दुर्घटना सहायता योजना तथा मुख्यमंत्री खेत—खालिहायन अगिनकों के दिखाई देता है। उन्होंने प्रस्ताव को मंजूरी दी गई। इन

दोनों योजनाओं के प्रभावी संचालन के लिए वर्ष 2026—27 के बजट में ख30 करोड़ का प्रावधान किया गया है, जिससे दुर्घटना या खेत—खलिहान में आग लगने जैसी परिस्थितियों में किसानों और उनके परिवारों को समय पर आर्थिक सहायता मिलती रहे।इसके अलावा मूल्य समर्थन योजना के अंतर्गत दलहन एवं तिलहन की खरीद व्यवस्था को और मजबूत बनाने के लिए विभिन्न सहकारी संस्थाओं को ब्याजमुक्त कार्यशील पूंजी उपलब्ध कराने के प्रस्तावों को भी स्वीकृति दी गई, जिससे किसानों को उनकी उपज का उचित मूल्य सुनिश्चित किया जा सके।बैठक में परिषद के वित्तीय एवं प्रशासनिक मामलों से जुड़े विभिन्न प्रस्तावों पर भी निर्णय लिया गया। मुख्यमंत्री ने पिछली बोर्ड बैठक में लिए गए निर्णयों की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को निर्देश दिए कि किसान हित से जुड़े सभी विकास कार्यों को तय समय—सीमा में गुणवत्ता के साथ पूरा किया जाए।

बीबीए्यू में मुंशी प्रेमचंद जयंती पर संगोष्ठी, प्रेमचंद और तुलसीदास के साहित्य की समकालीन प्रासंगिकता पर हुआ मंथन

लखानऊ(आरएनएस)। बाबासाहेब भीमराव आंबेडकर विश्वविद्यालय (बीबीए्यू) में शुक्रवार को मुंशी प्रेमचंद जयंती के अवसर पर श्मसमकालीन विमशरू प्रेमचंद एवं तुलसीदास की प्रासंगिकताश विषय पर संगोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में वक्ताओं ने मुंशी प्रेमचंद और गोस्वामी तुलसीदास के साहित्य को आज के समय में भी समाज के लिए अख्यंत प्रासंगिक बताते हुए कहा कि दोनों साहित्यकारों की रचनाएं भारतीय संस्कृति, सामाजिक न्याय, नैतिक मूल्यों और मानवीय संवेदनाओं की अमूल्य धरोहर हैं।कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय की कार्यवाहक कुलपति प्रो. सुनीता मिश्रा ने की, जबकि मुख्य अतिथि के रूप में अखिल भारतीय साहित्य परिषद के राष्ट्रीय महामंत्री डॉ. पवनपुत्र बादल उपस्थित रहे। इस अवसर पर लाल बहादुर शास्त्री स्नातकोत्तर महाविद्यालय, गोंडा के पूर्व विभागाध्यक्ष प्रो. शैलेन्द्र नाथ मिश्र, भाषा एवं साहित्य विद्यापीठ के संकायाध् यक्ष प्रो. रामपाल गंगवार तथा कार्यक्रम संयोजक एवं सहायक

निदेशक (राजभाषा) डॉ. बलजीत कुमार श्रीवास्तव मंच पर मौजूद रहे।कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्ज्वलन तथा बाबासाहेब डॉ. भीमराव आंबेडकर और मुंशी प्रेमचंद के चित्रों पर पुष्पांजलि अर्पित कर किया गया। इसके बाद विश्वविद्यालय कुलगीत का गायन हुआ तथा अतिथियों का स्वागत पुष्पगुच्छ भेंट कर किया गया। कार्यक्रम संयोजक डॉ. बलजीत कुमार श्रीवास्तव ने संगोष्ठी के उद्देश्य और रूपरेखा से उपस्थित लोगों को अवगत कराया। मंच संचालन हिंदी अनुवाद अधिकारी संध्या दीक्षित ने किया।अपने अध्यक्षीय संबोधन में प्रो. सुनीता मिश्रा ने कहा कि मुंशी प्रेमचंद की रचनाएं शोधानर, श्कफनर, श्पूस की रातर और श्ईंदगाहर आज भी भारतीय समाज की वास्तविक तस्वीर प्रस्तुत करती हैं। उन्होंने कहा कि प्रेमचंद ने जिस संवेदनशीलता और गहराई से समाज के विभिन्न वर्गों के संघर्ष, पीड़ा और मानवीय संबंधों को साहित्य में स्थान दिया, वह आज भी प्रेरणास्रोत है। उन्होंने यह भी कहा कि गोस्वामी तुलसीदास की

श्रामचरितमानसश्, श्चिनय पत्रिकाश् और श्दोहावलीश् जैसी कृतियां ने भारतीय समाज को नैतिकता, भक्ति और लोककल्याण के आदर्शों से जोड़ने का ऐतिहासिक कार्य किया है।मुख्य अतिथि डॉ. पवनपुत्र बादल ने कहा कि भारतीय साहित्य का मूल भावना लोकमंगल है और इसका सबसे प्रभावशाली स्वर तुलसीदास और प्रेमचंद की रचनाओं में दिखाई देता है। उन्होंने कहा कि इन दोनों साहित्यकारों ने केवल साहित्य की रचना नहीं की, बल्कि समाज को दिशा देने, नैतिक मूल्यों को मजबूत करने और राष्ट्रीय चेतना को जागृत करने का कार्य किया। उनके अनुसार हिंदी साहित्य वर्तमान के साथ—साथ भविष्य की पीढ़ियों के लिए भी ज्ञान, संस्कार और प्रेरणा का महत्वपूर्ण स्रोत है।प्रो. शैलेन्द्र नाथ मिश्र ने अपने व्याख्यान में कहा कि हिंदी भाषा और साहित्य से जुड़े विषयों पर निरंतर गंभीर विमर्श की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि देशप्रेम, पत्रकारिता, महिला सशक्तीकरण, शिक्षा और भारतीय ज्ञान परंपरा जैसे विषयों को

आधुनिक शिक्षा व्यवस्था से जोड़ना समय की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि स्वतंत्रता आंदोलन से लेकर सामाजिक जागरण और राष्ट्रीय चेतना के विकास में हिंदी साहित्य ने भूमिका हमेशा अग्रणी रही है।प्रो. रामपाल गंगवार ने तुलसीदास के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर विस्तार से प्रकाश डालते हुए कहा कि हिंदी भाषा को समृद्ध शब्द—संपदा प्रदान करने में तुलसीदास का योगदान अतुलनीय है। उन्होंने कहा कि तुलसीदास की रचनाओं ने हिंदी को जनभाषा के रूप में स्थापित किया और भारतीय संस्कृति, नैतिकता तथा मानवीय मूल्यों को जन—जन तक पहुंचाया। उनके अनुसार आज भी तुलसीदास का साहित्य समाज को संसृष्ट, कर्तव्यनिष्ठा और मानवता का संदेश देता है।कार्यक्रम के अंत में डॉ. शिवभक्तर यादव ने सभी अतिथियों और प्रतिभागियों के प्रति धन्यवाद ज्ञापित किया। इस अवसर पर श्शू दारपुत्री, डॉ. प्रीति राय, डॉ. नमिता जैसल सहित विश्वविद्यालय के अनेक श्क्षिक, श्शे ाथी और बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहे। संगोष्ठी में साहित्य की सामाजिक भूमिका, भारतीय

प्रयागराज मंडल में पर्यटन विकास को मिलेगी नई दिशा 39 करोड़ रुपये की 25 परियोजनाओं की हुई समीक्षा प्रयागराज, प्रतापगढ़ और फतेहपुर के तीर्थ स्थलों का होगा कायाकल्प, पर्यटन सुविधाओं का होगा विस्तार

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश की योगी सरकार प्रदेश में धार्मिक पर्यटन को नई ऊँचाई प्रदान कर रही है। धार्मिक स्थलों में पर्यटन की सुविधाओं के विकास के साथ कई नए प्रोजेक्ट्स भी इसी क्रम में शुरू हो रहे हैं। शुक्रवार को योगी सरकार ने पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने प्रयागराज मंडल की पर्यटन, संस्कृति एवं धर्मार्थ कार्य विभाग का परियोजनाओं की समीक्षा की।उत्तर प्रदेश सरकार धार्मिक पर्यटन को नई पहचान देने के साथ—साथ सांस्कृतिक धरोहरों के संरक्षण और पर्यटक सुविधाओं के विस्तार को लिए तेजी से काम कर रही है। पूरा करने के निर्देश दिए गए।पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने प्रयागराज में इन परियोजनाओं की समीक्षा की। समीक्षा में वित्तीय वर्ष 2026—27 के तहत लगभग 39.10 करोड़ रुपये की 25 पर्यटन परियोजनाओं पर

मंथन किया गया, जिनमें प्रमुख धार्मिक स्थलों के विकास, संग्रहालयों के निर्माण, सांस्कृतिक परिसरों के सौंदर्यीकरण और आधुनिक पर्यटक सुविधाओं के सुजन पर विशेष जोर दिया गया है। इसमें पर्यटन विभाग की कुल 25 परियोजनाओं में प्रयागराज की 15, प्रतापगढ़ की 6 और फतेहपुर की 4 परियोजनाएं शामिल हैं। इन परियोजनाओं का मुख्य उद्देश्य प्रमुख तीर्थ स्थलों का विकास, पर्यटक सुविधाओं का विस्तार और धार्मिक पर्यटन को नई पहचान देना है। बैठक में अि अधिकारियों को सभी परियोजनाओं के समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण ढंग से पूरा करने के निर्देश दिए गए।पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने कहा कि पर्यटन परियोजनाओं का उद्देश्य केवल बुनियादी ढांचे का निर्माण नहीं, बल्कि प्रत्येक स्थल की सांस्कृतिक और धार्मिक पहचान



को सुरक्षित रखते हुए पर्यटकों के अनुभव को बेहतर बनाना होगा चाहिए। उन्होंने निर्देश दिए कि एक करोड़ रुपये तक की सभी निर्माणधीन परियोजनाओं को नवंबर माह तक हर हाल में पूरा किया जाए और 1.5 करोड़ रुपए की 6 महीने में एवं 2 करोड़ रुपये तक की परियोजनाएं 9 महीने में पूरी की जाएं। साथ ही उन्होंने जनप्रतिनिधि

ियों और कार्यदायी संस्थाओं के बीच बेहतर समन्वय सुनिश्चित करने की निर्देश दिए गए। अपर मुख्य सचिव पर्यटन, संस्कृति एवं धर्मार्थ कार्य विभाग अमृत अभिजात ने विभागों और कार्यदायी संस्थाओं के बीच नियमित समन्वय बनाकर समयबद्ध कार्य पूर्ण कराने पर बल दिया।

फर्जी आधार कार्ड रैकेट बनाने वाले गिरोह का भंडाफोड़ एटीएस ने मास्टरमाइंड को दबोचा, एनीडैस्क के जरिए हो रहा था खेल

प्रयागराज। धूमनगंज थाना क्षेत्र में आतंकवाद विरोधी दस्ता (एटीएस) ने फर्जी आधार कार्ड बनाने और अवैध तरीके से आधार अपडेट कराने वाले बड़े नेटवर्क का खुलासा किया है। कार्रवाई के दौरान एटीएस ने धूमनगंज क्षेत्र से सुलेम सराय निवासी विवेक त्रिपाठी को गिरफ्तार किया गया। उसके खिलाफ साइबर क्राइम थाने में मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। एटीएस अब गिरोह से जुड़े अन्य सदस्यों और इसके आर्थिक नेटवर्क की जांच कर रही है।पुलिस के अनुसार प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि गिरोह एनीडैस्क ऐप के जरिए आधार ऑपरेटरों के कंप्यूटर का रिमोट एक्सेस लेकर यूआईडीएआई की प्रणाली में अवैध रूप से लॉगिन करता था। इसके बाद आध ार नामांकन और अपडेट का काम कराया जाता था।पूछताछ में विवेक त्रिपाठी ने बताया कि वह एक निजी कंपनी में असिस्टेंट रीजनल प्रोजेक्ट मैनेजर था और प्रयागराज, वाराणसी मंडल तथा सुल्तानपुर के बैंकों में आधार ऑपरेटरों की नियुक्ति का काम देखता था। बैंकों के डेंडर खत्म होने के बाद कई ऑपरेटरों की यूजर आईडी बंद हो गई थी। इसी दौरान उसकी मुलाकात ऐसे व्यक्ति से हुई, जिसने क्लोनिंग और बायपास तकनीक के जरिए बंद आईडी दोबारा सक्रिय कराने का दावा किया। इसके बाद पुराने ऑपरेटरों को जोड़कर समानांतर नेटवर्क तैयार कर लिया गया।जांच में पता चला कि ऑपरेटर अपनी एनीडैस्क आईडी साझा करते थे, जबकि दूसरी ओर बैठा व्यक्ति यूआईडीएआई सिस्टम में लॉगिन कराता था। तय समय पर ऑपरेटर अपने कंप्यूटर की तारीख और समय बदलकर आध ार अपडेट का काम करते थे। इसके बदले प्रति यूजर आईडी सक्रिय करने के लिए पांच हजार रुपये और प्रत्येक आधार अपडेट पर 150 रुपये लिए जाते थे। भुगतान यूपीआई और क्यूआर कोड के माध्यम से होता था।।

सामाजिक समरसता का संदेश लेकर निकली पावन माटी कलश यात्रा

प्रयागराज। संत रविदास के 650 वें जयंती वर्ष पर चलाए भारतीय जनता पार्टी द्वारा चलाए जा रहे समरसता संकल्प अभियान के तहत शुक्रवार को पावन माटी कलश यात्रा का शुभारंभ हुआ। संत रविदास की जन्म स्थली सीर गोवर्धनपुर से एकत्र पावन माटी को एक कलश में भरकर रथ के माध्यम से सामाजिक समरसता का संदेश लेकर शुक्रवार को सविल लाइन स्थित भाजपा कार्यालय से भाजपा महानगर अ्ध यक्ष संजय गुप्ता व अभियान के जिला संयोजक जिला उपाध्यक्ष आनंद सोनकर द्वारा रवाना किया

गया। प्रयागराज महानगर के तीनों विधानसभा क्षेत्रों में कलश यात्रा का समापन 10 अगस्त को होगा। शुक्रवार को भाजपा कार्यालय से रवाना होने के बाद कलश यात्रा दक्षिणी विधानसभा के निषादराज पार्क करेलाबाग पहुंची जहां से दक्षिणी विधानसभा की यात्रा शुरू हुई। यहां कैबिनेट मंत्री नंद गोपाल गुप्ता नंदी, महानगर अध्यक्ष संजय गुप्ता, अभियान के जिला संयोजक जिला उपाध्यक्ष आनंद सोनकर यात्रा का शुभारंभ करते हुए पावन माटी के कलश को अपने सर पर रखकर यात्रा के साथ चले।भाजपा महानगर अध्यक्ष संजय गुप्ता ने कहा कि

समरसता संकल्प अभियान‘ समाज में समता, श्बैल्य, सामाजिक न्याय और समरसता का संदेश घर—घर पहुंचाने का एक राष्ट्रव्यापी अभियान है। कैबिनेट मंत्री नंद गोपाल गुप्ता नंदी ने कहा कि संत रविदास ने एक ऐसे समाज की कल्पना की थी जहाँ किसी भी प्रकार का भेदभाव न हो।

समरसता संकल्प अभियान के जिला संयोजक जिला उपाध्यक्ष आनंद सोनकर ने बताया कि यह अभियान 29 जुलाई 2026 से शुरू होकर आगामी 20 फरवरी 2027 तक विभिन्न चरणों में चलाया जाएगा। अभियान के सह संयोजक

जिला मंत्री सचिन जायसवाल, कंचनलता कुशवाहा, पूजा गौड़, पूर्व महापौर अमिलाषा गुप्ता नंदी, शशि वाघ्पेय, रमेश पासी, डॉ शैलेश पांडेय, विक्रमजीत सिंह भदौरिया, प्रमोद मोदी, अनुज कुशवाहा, आनंद श्रीवास्तव, अनिल केसरवानी, विजय श्रीवास्तव, अजय सिंह, दीप द्विवेदी, राजेश गोंड, संजय सिंह, श्याम प्रकाश पांडेय, वंदना शर्मा, पार्षद प्रवीण भारती, निर्दोष सिंह गोल्, सुजीत कुशवाहा, विश्वास श्रीवास्तव, मोहित गुप्ता, सुमित वैश्य, गया प्रसाद, कबीर जायसवाल, पवन श्रीवास्तव, विवेक मिश्रा आदि बड़ी संख्या लोग उपस्थित रहे।

स्पोर्ट्स हॉस्टलों में कोच बनेगे अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी

प्रयागराज। अंतरराष्ट्रीय मंचों पर देश का तिरंगा फहराने का सपना देख रहे खिलाड़ियों के प्रशिक्षण के लिए अब अंतरराष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ियों और प्रशिक्षकों की नियुक्ति होगी। खेल निदेशालय के निर्देश पर प्रदेश के 34 स्पोर्ट्स हॉस्टलों में 16 खेलों के लिए 40 अंतरराष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ियों और प्रशिक्षकों की कोच के रूप में नियुक्ति की जाएगी। चयनित कोचों को हर महीने 1.50 लाख रुपए मानदेय दिया जाएगा। इसके लिए 14 अगस्त तक आवेदन मांगे गए हैं।इसके साथ ही फतेहपुर, कोशाम्बी और प्रतापगढ़ के क्रीड़ा अि कारिरियों को भी निर्देश दिए गए हैं कि वे अपने—अपने जिलों के पात्र अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ियों और प्रशिक्षकों का विवरण तय प्रारूप में समय पर उपलब्ध कराएं। क्रीड़ा अधिकारी शिव कुमार यादव ने बताया कि प्रदेश के 34 आवासीय क्रीड़ा छात्रावासों में 16 खेलों के लिए कोच नियुक्त किए जाएंगे। इनमें हॉकी, फुटबॉल, हैंडबॉल, वॉलीबॉल, बॉक्सिंग, तैराकी, जिम्नास्टिक, एथलेटिक्स, क्रिकेट, बैडमिंटन, टेबल टेनिस, बार्स्केटबॉल, कबड्डी, जूडो, कुश्ती और तीरंदाजी शामिल हैं। सरकार का उद्देश्य खिलाड़ियों को विश्वस्तरीय प्रशिक्षण उपलब्ध ा कराना है।उन्होंने बताया कि कोच बनने के लिए न्यूनतम शैक्षिक योग्यता स्नातक रखी गई है। इसके अलावा अभ्यर्थी ने ओलंपिक, कॉमनवेल्थ गेम्स, एशियन गेम्स, वर्ल्ड कप या चार साल में आयोजित होने वाली वर्ल्ड चैंपियनशिप में हिस्सा लिया हो। पदमश्री, खेल रत्न, अर्जुन, द्रोणाचार्य या ध्यानचंद पुरस्कार से सम्मानित खिलाड़ी भी आवेदन कर सकते हैं। ऐसे प्रशिक्षक भी पात्र होंगे, जिन्होंने ओलंपिक, विश्व कप, एशियन गेम्स या कॉमनवेल्थ गेम्स में भारतीय टीम को प्रशिक्षित किया हो।क्रीड़ा अधिकारी ने कहा कि आवासीय छात्रावासों में प्रशिक्षण ले रहे खिलाड़ियों को आधुनिक तकनीक और उच्चस्तरीय मार्गदर्शन उपलब्ध कराया जाएगा।

रिटायर्ड जज को कार से कुचलने का प्रयास टक्कर मारकर गिराने के बाद चालक ने कार चढ़ाने का किया प्रयास, इइवर गिरफ्तार

प्रयागराज। धूमनगंज थाना क्षेत्र के साकेत नगर में रिटायर्ड जज मार्कण्डेय राय को कार से कुचलने की कोशिश और धमकी देने का मामला सामने आया है। पीड़ित के बेटे अधिवक्ता संदीप राय ने धूमनगंज थाने में मुकदमा दर्ज कराया है। पुलिस आरोपितों की तलाश कर रही है।

धूमनगंज थाना क्षेत्र निवासी संदीप राय का कहना है कि 28 जुलाई को उनके पिता मार्कंडेय राय साकेत नगर के तरफ से पैदल सड़क के बिब्लुक बाई तरफ से अपने घर विनायक सेंट्रल पार्क, शेरवानी लिगेसी सुलेमसराय जा रहे थे। तभी अचानक पीछे से स्कॉर्पियो गाड़ी ने प्रार्थी को पिता को नए गोदाम (बिग बस्केट) साकेत नगर के सामने पीछे से जोर से टक्कर मार दिया, जिससे प्रार्थी के पिता नीचे गिर गए। उसके बाद प्रार्थी के पिता को उसी गाड़ी से कुचलने का प्रयास किया गया।

आरोप के अनुसार नशे में धुत चालक गाड़ी आगे खड़ी करके उतरा और गाली देने लगा। इसके बाद उसने फोन करके अपने साथियों को बुला लिया। सब मिलकर प्रार्थी के पिता को धमकी दी। कहा कि अगर हमारे खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया तो उसका अंजाम भुगतने के लिए तैयार रहना। पिता के कॉल पर संदीप राय मौके पर पहुंचे। गाड़ी चालक को पिता का कलर पकड़े देख 112 नंबर पर कॉल किया। पुलिस के आने पर प्रार्थी और प्रार्थी के पिता की जान बच सकी।

पुलिस ने मौके से गाड़ी चालक को पकड़ लिया, जबकि उसके अन्य साथी गाड़ी लेकर फरार हो गए। रिटायर्ड जज और नशे में धुत गाड़ी चालक को पुलिस थाने ले गई। पीड़ित का मेडिकल जिला अस्पताल शाहगंज में करवाया गया। वे गंभीर रूप से घायल हैं।

आज होगी अल्पसंख्यक विभाग की मंडलीय समीक्षा बैठक, तैयारियां तेज

प्रयागराज। आगामी 1 अगस्त को सायं 7:00 बजे उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी अल्पसंख्यक विभाग के प्रदेश अध्यक्ष एवं पूर्व विधायक सोहेल अख्तर अंसारी के प्रयागराज आगमन को लेकर तैयारियां तेज हो गई हैं।अल्पसंख्यक कांग्रेस की राष्ट्रीय उपाध्यक्ष एवं यूपी प्रभारी रुबी खान के निर्देश पर कार्यक्रम की तैयारियों के सिलसिले में आज अल्पसंख्यक विभाग के जिला प्रभारी मुन्ताज सिद्दीकी प्रयागराज पहुंचे और पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं के साथ बैठक कर तैयारियों की समीक्षा की।

इस अवसर पर शहर अध्यक्ष अरशद अली के कडा कि 1 अगस्त को आयोजित होने वाला कार्यक्रम अल्पसंख्यक विभाग के पुनर्गठन हेतु मंडलीय समीक्षा बैठक है। उन्होंने सभी पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं से अधिक संख्या में उपस्थित होकर बैठक को सफल बनाने का आह्वान किया।शहर कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष फूजूल हाशमी एवं जिला प्रवक्ता हसीब अहमद ने अपने संयुक्त बयान में कहा कि प्रदेश अध्यक्ष सोहेल अख्तर अंसारी का प्रयागराज आगमन संगठन को नई ऊर्जा प्रदान करेगा। उन्होंने कहा कि मंडलीय समीक्षा बैठक के माध्यम से संगठन को और अधिक मजबूत एवं सक्रिय बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण चर्चा होगी तथा सभी कार्यकर्ता पूरे उत्साह के साथ कार्यक्रम को सफल बनाने में जुटे हुए हैं।

मीरजापुर में भाजपा के नेतृत्व में संत रविदास जी की 650वीं जयंती पर भव्य कलश यात्रा और दीपदान, समरसता का दिया सदेश

मीरजापुर ।को भारतीय जनता पार्टी में भव्य कलश यात्रा एवं दीपदान कार्यक्रम का आयोजन किया गया । इस पावन अवसर पर भाजपा



रविदास जी महाराज की 650वीं जयंती वर्ष को श्रद्धा एवं हर्षोल्लास के साथ मनाने के उद्देश्य से नगर

और एकता का संदेश जाएगा । कलश स्थापना के दौरान मंदिर परिसर में श्रद्धालुओं एवं स्थानीय जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति रही । सभी ने धार्मिक अनुष्ठान में सहभागिता कर क्षेत्र की सुख—समृद्धि एवं जनकल्याण की कामना की । इसी क्रम में 24 मण्डलों के प्रमुख मंदिरों में कार्यक्रम किया गया ।

उपरोक्त कार्यक्रम में प्रमुख रूप से जिला संयोजक जिला उपाध्यक्ष गौरव ऊमर, इन्द्र कुमार सिंह, उदयमान तिवारी, नगर पश्चिमी अध्यक्ष नितिन विश्वकर्मा, जिलामंत्री वीरेन्द्र प्रताप यादव, सभासद विजय प्रजापति, सोनू दुबे, प्रवीण दुबे, जिला मीडिया सह प्रमारी रतन कुमार सिंह, प्रदीप सोनकर, दिलीप पटेल, शक्ति केन्द्र संयोजक कौशलेश तिवारी के साथ बृथ अध्यक्षगण एवं क्षेत्रवासी उपस्थित रहे ।

’मुख्यमंती सामूहिक विवाह योजना में 205 हिंदू जोड़ों का वैदिक रीति से विवाह,दो मुस्लिम जोड़ों का निकाह

बल्दीराय सुल्तानपुर। विकास खंड बल्दीराय परिसर शुक्रवार को खुशियों,उत्साह और सामाजिक सौहार्द का केंद्र बना रहा ।मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के तहत आयोजित भव्य समारोह में 207 जोड़ों ने एक साथ नए जीवन की शुरुआत की ।इनमें 205 हिंदू जोड़ों का वैदिक रीति—रिवाज से विवाह कराया गया,जबकि दो मुस्लिम जोड़ों का निकाह इस्लामी परंपरा के अनुसार संपन्न हुआ ।एक ही मंच पर दोनों धर्मों की परंपराओं के साथ संपन्न हुए इस आयोजन ने सामाजिक समरसता और गंगा—जमुनी तहजीब की अनूठी मिसाल पेश की ।शहनाइयों की मधुर धुन,वैदिक मंत्रोच्चार और निकाह की रस्मों के बीच नवदंपतियों ने जीवनभर साथ निभाने का संकल्प लिया ।पूरे परिसर में उत्सव जैसा माहौल रहा और परिजनों के चेहरों पर खुशी साफ झलकती रही ।समारोह की मुख्य अतिथि जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती ऊषा सिंह ने कहा कि मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना आर्थिक रूप से कमजोर



हो रही है ।इससे जरूरतमंद परिवारों को सम्मानपूर्वक बेटीयों का विवाह कराने में बड़ी सहायता मिल रही है ।विशिष्ट अतिथि ब्लॉक प्रमु्खा शिवकुमार सिंह ने नवविवाहित जोड़ों को शुभकामनाएं देते हुए उनके सुखद,समृद्ध और मंगलमय वैवाहिक जीवन की कामना की ।इस अवसर पर जिला परियोजना निदेशक अशोक कुमार सिंह, एसडीएम बल्दीराय प्रभात सिंह, जिला समाज कल्याण अधिाकारी प्रवीण, खंड विकास अधिाकारी विमलेश चंद्र त्रिवेदी, एडीओ

मनरेगा स्मिता सिंह, मनोज कुमार यादव, भाजपा मंडल अध्यक्ष विशाल जायसवाल, आचार्य सूर्यमान पांडे, अक्वेश दुबे, मुकेश अग्रहार, राजधर शुक्ला, प्रधान मोहम्मद सम्मु, नायब तहसीलदार गुलाब सिंह, सीओ आशुतोष कुमार, थानाध्यक्ष महेंद्र कुमार सिंह, आरजू नय्यर, एडीओ आई।एसबी शिवकुमार, सचिव प्रदीप कुमार सिंह, एडीओ अरविंद कुमार सहित बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि, अधिाकारी एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे ।

चुनाव में मंडी हटाने पर अमहट के व्यापारियों में रोष, कोर्ट जाने की चेतावनी

सुल्तानपुर। अमहट फल मंडी के अध्यक्ष मोहम्मद शमीम के नेतृत्व में मंगलवार को फल मंडी महामंत्री कार्यालय पर व्यापारियों और पदाधिकारियों की बैठक हुई ।बैठक में मंडी की समस्याओं के साथ सबसे बड़ा मुद्दा चुनाव के समय व्यापारियों को मंडी से बाहर कर दिया जाना रहा। व्यापारियों का कहना है कि हर चुनाव में प्रशासन द्वारा मंडी शिफ्ट कर दिए जाने से कारोबार ठप हो जाता है और ग्राहकों को भी परेशानी होती है।अध्यक्ष मोहम्मद शमीम ने कहा हर चुनाव में मंडी हटाकर व्यापार चौपट कर दिया जाता है। यह वर्षों से चली आ रही समस्या है। अब इसका स्थायी समाधान जरूरी है। बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि इस बार चुनाव से पहले जिला प्रशासन से वार्ता कर ऐसी व्यवस्था कराई जाएगी जिससे व्यापारियों को मंडी से बाहर न किया जाए। व्यापारियों ने साफ कहा कि अगर उनकी मांग नहीं मानी गई तो वे मजबूरन कोर्ट का सहारा लेंगे।

ग्राम प्रधान पर मजदूर की हत्या का आरोप

जौनपुर। षाहगंज कोतवाली क्षेत्र के ग्राम—मजडीहा के एक गरीब मजदूर पत्नी ने अपने पति की हत्या किये जाने का आरोप ग्राम प्रधान पर लगाया है। उसका कहना है कि प्रधान ने मेरे पति को बुरी तरह से पीटा और गंभीर हालत में उसे जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया जहां तीन दिन बाद उसकी मौत हो गयी। पुलिस ने प्रधान के खिलाफ कार्यवाही नहीं किया और पोस्ट मार्टम के बाद लाश दफनवा दिया। मांग किया कि लाश का निकलवा कर फिर से डाक्टरों की संयुक्त टीम से जांच करायी जाय। उक्त गांव की गुलावती पत्नी चन्दन राजभर का पति मजदूरी करकें

अपने परिवार का किसी तरह भरण—पोषण करता है। वह ग्राम प्रान मो० साजिद उर्फ चुन्नु के यहाँ मुर्गी फारम की देख—रेख करती थी। बीते 16 जुलाई को रात्रि को ग्रामप्रधान द्वारा तीन दिन तक अपने यहां रोक लिया गया जिसकी जानकारी हम प्राथिनी के पति को होने पर ग्राम प्रधान के घर जाकर पूछने पर पति चन्दन राजभर को ग्राम प्रधान मो० साजिद उर्फ चुन्नु मनाना पुत्र सुलेमान व सहजाद पुत्र इसरार और उनके साथियों ने मिलकर बुरी तरह से मारे—पीटे जिससे प्राथिनी के पति को बहुत गम्भीर चोट आयी । मैं अपने पति

को लेकर शाहगंज अस्पताल ले गई मेरे पति चोटो की गम्भीरता को देखते हुए वहा के डाक्टर से सवर अस्पताल रेफर कर दिया गया वहाँ पर एडमिट होने के एक दिन बाद ही मेरे पति की मृत्यु हो गयी मेरे पति की मृत्यु का कारण ग्राम प्रधान व उनके साथियों द्वारा मारने व पीटने से हुई है। मेने घटना की सूचना थाना शाहगंज पर दी थी परन्तु कोई कार्यवाही नही हुई । ग्राम प्रधान पुलिस की मिली भगत से मेरे पति को मनमाना तरीके से पोस्टमार्टम कराया प्राथना है कि हमारे पति की फिर से पोस्टमार्टम कराने की कृपा करें।

अली असगर की शहादत को किया याद

जौनपुर। नगर के बलुआ घाट मोहल्ला स्थित मकबूल मंजिल में गुरुवार की रात अंजुमन हुसैनियां की शब्देदारी का दौर शुरू हुआ जो शुक्रवार की सुबह खत्म हुआ। इसमें मशहूर 5 अंजुमन को अलावा शहर की प्रमुख अंजुमनों ने पूरी रात कर्बला के सबसे कमसिन शहीद जनाबे अली असगर की याद में अपने दर्द भरे नौहे पेश किया। अलविदाई मजलिस के बाद गहवारे अली असगर और अलम, ताबूत निकाला गया जिसकी जियारत के लिए हजारों लोग मौजूद रहे ।खबरेदारी का आगाज तिलावते कजाम—ए—पाक से सै. अली हसनैन श्यान ने किया। मजलिस को खेताब करते हुए मौलाना सैय्द सज्जद हुसैन बिहार ने कहा कि इमाम हुसैन के सबसे छोटे बेटे जनाब अली असगर जिनकी उम्र छह माह की थी। यजीदी फौजों ने उस वक्त कर्बला के मैदान में तीन भाल के भारी भरकम तीर से इमाम के हाथों में शहीद कर दिया। जब वे यजीदी फौजों से इस बन्व्ये के लिए दो कतरा पानी पिलाने के लिए मांग रहे थे। अली असगर 3 रोज के भूखे—प्यासा थे पर जालिमो को उनपर भी रहम नही आया। इसके बाद नौहा मातम का सिलसिला मिसरा तरह ६.जबीने दीने हक पे असगरे बेशीर लिख देना..... व तबरस्मुमें अली असगर का तर्जुमा ही नहीष पर नौहा मातम शुरू हुआ।

यातायात पुलिस लखनऊ एवं एंटी करप्शन फोरम काउंसिल ऑफ इंडिया वेलफेयर फाउंडेशन के संयुक्त तत्वावधान में चला यातायात जागरूकता अभियान

लखनऊ, 31 जुलाई 2026 । यातायात पुलिस लखनऊ एवं एंटी करप्शन फोरम काउंसिल ऑफ इंडिया वेलफेयर फाउंडेशन (ACFCI Welfare Foundation) के संयुक्त तत्वावधान में कपूरथला चौराहा, लखनऊ पर एक व्यापक यातायात जागरूकता अभियान का सफल आयोजन किया गया। अभियान का उद्देश्य आमजन को सड़क सुरक्षा नियमों के प्रति जागरूक करना तथा सुरक्षित एवं जिम्मेदार यातायात व्यवहार के लिए प्रेरित करना रहा।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में सहायक पुलिस आयुक्त (ACP) यातायात श्री महेश त्यागी जी उपस्थित रहे। विशिष्ट अतिथि के रूप में ट्रैफिक इंस्पेक्टर श्री उदय प्रताप सिंह जी अपनी पूरी पुलिस टीम के साथ उपस्थित रहे। उन्होंने नागरिकों को यातायात नियमों का पालन करने, हेलमेट एवं सीट बेल्ट का अनिवार्य रूप से उपयोग करने तथा सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूक रहने का संदेश दिया।

इस अभियान का सफल नेतृत्व एंटी करप्शन फोरम काउंसिल ऑफ इंडिया वेलफेयर फाउंडेशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री सुयश श्रीवास्तव द्वारा किया गया।

अभियान के दौरान सड़क सुरक्षा को बढ़ावा देने के उद्देश्य से दोपहिया वाहन चालकों को हेलमेट वितरित किए गए। साथ ही लोगों को यातायात नियमों के पालन, निर्धारित गति सीमा का

संतोष, जिला सचिव श्री विकास श्रीवास्तव, जिला मीडिया प्रभारी (लखनऊ) श्री हिमांशु कौल तथा राष्ट्रीय सलाहकार (यूथ ब्यूरो) श्री प्रशांत शर्मा सहित संगठन के अन्य पदाधिकारी एवं



अनुसरण करने, नशे की अवस्था में वाहन न चलाने तथा सुरक्षित ड्राइविंग की शपथ दिलाई गई। अधिकारियों ने कहा कि सड़क सुरक्षा प्रत्येक नागरिक की साझा जिम्मेदारी है और नियमों का पालन कर अनेक दुर्घटनाओं को रोका जा सकता है।

कार्यक्रम में संगठन के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री हर्षित श्रीवास्तव, राष्ट्रीय लीगल हेड (अधिवक्ता) श्री प्रतीक विक्रम सिंह, राष्ट्रीय संयोजक सुश्री संजोली गोस्वामी, राष्ट्रीय सलाहकार श्रीमती मधु

कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

कार्यक्रम के अंत में सभी उपस्थित नागरिकों से यातायात नियमों का पालन करने तथा दूसरों को भी इसके लिए प्रेरित करने की अपील की गई। एंटी करप्शन फोरम काउंसिल ऑफ इंडिया वेलफेयर फाउंडेशन ने भविष्य में भी यातायात पुलिस लखनऊ के सहयोग से जनहित एवं जनजागरूकता के ऐसे अभियान निरंतर चलाने का संकल्प व्यक्त किया।



वाराणसी से अयोध्या जा रही क्रूजर का टायर फटा, बिजली के पोल से टकराई

सुलतानपुर। जनपद के लंभुआ क्षेत्र में शुक्रवार तड़के वाराणसी से अयोध्या जा रही एक क्रूजर गाड़ी दुर्घटनाग्रस्त हो गई। हादसा सुबह करीब 5रु।15 बजे उस समय हुआ, जब वाहन का पिछला टायर अचानक फट गया। टायर फटने से वाहन अनियंत्रित होकर सड़क किनारे लगे बिजली के पोल से टकरा गया।

अपर पुलिस अधीक्षक वृज नारायण सिंह के अनुसार, क्रूजर में मध्य प्रदेश के शिवड़ी निवासी लगभग 15 लोग सवार थे। दुर्घटना में घायलों को तत्काल एम्बुलेंस की सहायता से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लंभुआ पहुंचाया गया, जहां डॉक्टरों ने प्राथमिक उपचार शुरू किया। हादसे में 12 लोग घायल हुए हैं, जिनमें से 5 की गंभीर स्थिति को देखते हुए जिला अस्पताल रेफर किया गया है। पुलिस टीम भी तत्काल मौके पर पहुंची और राहत एवं बचाव कार्य में जुट गई। पुलिस के अनुसार घटना में किसी की मृत्यु नहीं हुई है। सभी घायलों का उपचार जारी है। क्षेत्र में कानून—व्यवस्था सामान्य है तथा मामले में आवश्यक विधि क कार्रवाई की जा रही है।

भूतेश्वर से मसानी तक नगर आयुक्तका तड़के पैदल निरीक्षण, 10 अगस्त तक सड़कें दुरुस्त करने का अल्टीमेटम

(मथुरा)

श्रीकृष्ण जन्माष्टमी की तैयारियों को लेकर नगर निगम ने व्यवस्थाओं को दुरुस्त करने के लिए सख्त रुख अपना लिया है। शुक्रवार तड़के करीब 4 बजे नगर आयुक्त ओजस्वी राज ने भूतेश्वर से मसानी तक पैदल भ्रमण कर सड़क मरम्मत, जल निकासी व्यवस्था एवं निर्माण कार्यों का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान सड़कों की बदहाल स्थिति और कार्यों की धीमी गति पर उन्होंने अधिकारियों और कार्यदायी संस्था को कड़ी फटकार लगाते हुए 10 अगस्त तक सभी कार्य हर हाल में पूरा करने का अल्टीमेटम दिया।

नगर आयुक्त ने स्पष्ट चेतावनी दी कि यदि दो दिनों के भीतर निर्माण कार्य में पर्याप्त श्रमिक और संसाधन नहीं बढ़ाए गए तो संबंधित ठेकेदार के विरुद्ध दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि जन्माष्टमी से पहले मथुरा आने वाले लाखों श्रद्धालुओं को बेहतर यातायात और मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध ा कराना नगर निगम की सर्वोच्च प्राथमिकता है।

निरीक्षण के दौरान भूतेश्वर अंडरपास से मसानी नाले तक बिछाई गई पाइपलाइन के कारण कई स्थानों पर धंसी सड़कों, गहरे गड्ढों और अधूरे पैचवर्क को देखकर नगर आयुक्त ने नाराजगी जताई। उन्होंने मौके पर ही कार्यदायी संस्था के अधिकारियों और ठेकेदार को बुलाकर गुणवत्ता के साथ शीघ्र कार्य पूरा करने के निर्देश दिए।

नगर आयुक्त ने कहा कि जल निकासी और सड़क मरम्मत से जुड़े सभी कार्य निर्धारित गुणवत्ता मानकों के अनुरूप 10 अगस्त तक पूरे किए जाएं। उन्होंने दोहराय्या कि श्रद्धालुओं और स्थानीय नागरिकों की सुविधा से किसी भी प्रकार का समझौता नहीं किया जाएगा तथा लापरवाही बरतने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

मानकों के अनुरूप मिले बंदियों को सुविधायें

जौनपुर। जनपद की कारागार व्यवस्था का निरीक्षण के उद्देश्य से शुक्रवार को जिलाधिकारी सैमुअल पॉल एन. एवं पुलिस अधीक्षक कुंवर अनुपम सिंह ने जिला कारागार का मासिक औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान जेल परिसर की सुरक्षा व्यवस्था, बैरकों, भोजनालय, चिकित्सालय, साफ—सफाई तथा पेयजल व्यवस्था का बारीकी से जायजा लिया गया। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने बंदियों से सीधे संवाद कर उनकी समस्याएं सुनीं और कारागार प्रशासन को निर्देश दिया कि सभी बंदियों को शासन द्वारा निर्धारित मानकों के अनुरूप सुविध ाएं उपलब्ध कराई जाएं। सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा करते हुए सुरक्षा कर्मियों को नियमित जांच, सतर्क निगरानी और सुरक्षा मानकों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। भोजन की गुणवत्ता, स्वास्थ्य सेवाओं एवं स्वच्छता व्यवस्था का निरीक्षण कर संबंधित अधिकारियों को आवश्यक सुधारात्मक कार्रवाई तत्काल सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि कारागार में सुरक्षा के साथ—साथ मानवीय सुविधाओं का भी पूरा ध्यान रखा जाना चाहिए ।निरीक्षण के दौरान अपर पुलिस अधीक्षक नगर आयुष श्रीवास्तव, सहायक पुलिस अधीक्षक नगध्द अपराध गोल्डी गुप्ता, कारागार प्रशासन के अधिकारी तथा अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

कांग्रेस का दावा , लगायेगे दस हजार पौधे

जौनपुर। हर व्यक्ति को प्रकृति और पेड़ पौधों को बचाने और उसे संरक्षित करने के लिए हमेशा सजग रहना चाहिए, वृक्षारोपण धरती का सबसे पुनीत और महत्वपूर्ण कार्य है। उक्त बातें कांग्रेस पार्टी के जिलाध्यक्ष डा प्रमोद कुमार सिंह ने शहर कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष आरिफ खान के नेतृत्व में शुक्रवार को नगर के बड़ी मस्जिद के पास कांग्रेस पार्टी द्वारा आयोजित पौध वितरण कार्यक्रम में कहा। कहा कि प्राकृतिक संतुलन खो बनाये रखने के लिए वृक्षों का व्यापक और पर्याप्त मात्रा में होना अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने कहा कि वृक्ष हमें प्राणवायु देने के साथ ही मानसून और भीषण गर्मियों से राहत देता है, इसलिए हर व्यक्ति का पहला कर्तव्य होता है कि वृक्षारोपण कर उन्हें संरक्षित करें साथ ही अंधाधुंध होने वाली पेड़ों की कटाई को रोकने में सबको परस्पर सहयोग करना चाहिए, वृक्ष मानव जीवन का प्राण है। डा. प्रमोद कुमार सिंह ने संकल्प लेते हुए कहा कि जौनपुर कांग्रेस पूरे जनपद में अपने पास से दस लाख पौधे लगावायेगी। दस हजार पौधों को वितरित किया तथा हर व्यक्ति को पौधों के संरक्षण की शपथ दिलाई। बंशेश्वर शर्मा, राजकुमार गुप्ता, इरशाद खान राजू , राजकुमार गुप्ता, इस्तेखारुल प्रधान,जैद सिद्दीकी,अजीम जौनपुरी,साद सिद्दीकी, मसूद अहमद,परवेज आदि मौजूद रहे।

सिपाही का जहर पीकर आत्महत्या का प्रयास

जौनपुर । बरसठी थाने में तैनात एक कांस्टेबल ने शुक्रवार सुबह कथित तौर पर विषाक्त पदार्थ पीकर आत्महत्या का प्रयास किया। घटना से थाने में हड़कंप मच गया। साथी पुलिसकर्मियों ने उन्हें तत्काल जिला अस्पताल पहुंचाया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद गंभीर हालत में वाराणसी रेफर कर दिया गया। शुरुआती जानकारी में पारिवारिक कलह को घटना की वजह बताया जा रहा है। मिर्जापुर निवासी कांस्टेबल विवेक गौड़ पिछले दो वर्षों से बरसठी थाने में तैनात हैं और मुंशी का कार्य देख रहे थे। जानकारी के अनुसार, शुक्रवार सुबह करीब 11 बजे उन्होंने अपने परिवार से वीडियो कॉल पर बातचीत की। इसके कुछ देर बाद उन्होंने विषाक्त पदार्थ पीने का प्रयास किया। मौके पर मौजूद एक अन्य सिपाही ने विवेक को रोकने की कोशिश की और उनके हाथ से कटोरा गिरा दिया। हालांकि, विवेक ने बचा हुआ कुछ विषाक्त पदार्थ उठाकर पी लिया। इसके बाद उनकी तबीयत बिगड़ने लगी, तो साथी पुलिसकर्मी उन्हें तत्काल जिला अस्पताल लेकर पहुंचे। पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है।

ट्रैक्टर से दबकर महिला की मौत

जौनपुर। सरायख्वाजा थाना क्षेत्र के शुक्रवार की दोपहर शंकरमंडी चुंगी से दहीदपुर नाला मार्ग के बीच हैदरपुर के पास बिना रजिस्ट्रेशन तेज रफ्तार मिट्टी लदा ट्रैक्टर पीछे से बाइक सवार को जोरदार टक्कर मार दिया। जिसमें महिला की मौके पर मौत हो गई पुत्र बाल बाल बच गए सूचना पर ग्रामीण मौके पर पहुंचकर ट्रैक्टर का घेराव कर लिए चालक मौके का फायदा उठाकर फरार हो गया पुलिस मौके पर पहुंचकर शव को कब्जे में लेकर मिट्टी लदा ट्रैक्टर थाने ले गईं। जमालपुर गांव निवासी यादवेंद्र मौर्या की पत्नी राजदेई 65 वर्ष अपने बेटे ज्ञान सिंह के साथ घर से जौनपुर दवा लेने जा रही थी कि शंकरमंडी चुंगी दहीदपुर नाला मार्ग हैदरपुर के पास बिना रजिस्ट्रेशन अवैध खनन मिट्टी लदा ट्रैक्टर पीछे से बाइक सवार को टक्कर मार दिया जिसमें मां राजदेई ट्रैक्टर की टायर से दबकर मौके पर मौत हो गई।

अधेड़ की ससुराल में संदिग्ध हालत में मौत

जौनपुर। गौरा बादशाहपुर थाना क्षेत्र के आरे गांव निवासी 50 वर्षीय उपेंद्र पाठक पुत्र शिवनाथ पाठक की ससुराल में संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। उपेंद्र पाठक गुरुवार शाम करीब 6 बजे अपनी पत्नी सुप्रिया और छोटे बेटे के साथ बाइक से आजमगढ़ जनपद के एकौना थाना क्षेत्र के सनुवाडीह स्थित अपनी ससुराल गए थे। देर रात करीब 10 बजे उनकी संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। मृतक के परिजनों ने इसे हत्या बताते हुए आरोप लगाया है कि उपेंद्र पाठक की हत्या करने के बाद शव को चादर के सहारे पंखे से लटका दिया गया, ताकि घटना आत्महत्या प्रतीत हो। घटना की सूचना मिलते ही आजमगढ़ पुलिस मौके पर पहुंची और शव को नीचे उतरवाकर कब्जे में लेते हुए पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

दिव्यांगजनों के लिए रोजगार मेला तीन अगस्त से

जौनपुर। जिला समन्वयक कौशल विकास मिशन ने अवगत कराया कि उ.प्र. सरकार की मंशा सबको हुनर, सबको काम के संकल्प को साकार करने के लिए दिव्यांगजनों को समाज की मुख्य धारा में सम्मिलित किये जाने हेतु और उन्हें आत्मनिर्भर बनाये जाने के उद्देश्य से राजकीय आई. टी.आई. सिद्दीकपुर, में 3 से 10 अगस्त तक दिव्यांगजनों हेतु विशेष रोजगार मेले का आयोजन किया जा रहा है। इस आयोजन में दिव्यांगजनों को रोजगार स््व-रोजगार प्रदान किए जाने हेतु विभिन्न सेक्टर की कंपनियों के साथ—साथ जिला उद्योग केंद्र के अधिकारी, जिला सेवायोजन अधिकारी व दिव्यांगजन सशक्तिकाण अधिकारी

चुनाव आयोग की स्वतंत्रता पर सुप्रीम कोर्ट के तीखे सवालों पर मोदी सरकार के तर्कपूर्ण जवाब

केंद्र सरकार की ओर से सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने इस तर्क का जोरदार प्रतिवाद किया। उन्होंने अदालत से कहा कि बहस की शुरुआत इस धारणा से नहीं हो सकती कि प्रधानमंत्री लोकतांत्रिक मूल्यों के विपरीत आचरण करेंगे। सुप्रीम कोर्ट में गुरुवार को चुनाव आयोग की स्वतंत्रता पर ऐसी बहस छिड़ी, मानो लोकतंत्र की सबसे अहम संस्थाओं में से एक का भविष्य न्यायालय के कटघरे में खड़ा हो। एक ओर संविधान की आत्मा और निष्पक्ष चुनाव की कसौटी पर सवाल उठाते न्यायाधीश थे तो दूसरी ओर संसद की सर्वोच्चता और प्रधानमंत्री पद की गरिमा का पक्ष मजबूती से रखती केंद्र सरकार। सवालों और जवाबों

का यह सिलसिला कई बार अदालत की बहस से आगे बढ़कर लोकतंत्र की बुनियादी अक्षधारणाओं पर गहन विमर्श में बदल गया। न्यायमूर्ति दीपांकर दत्ता और न्यायमूर्ति सतीश चंद्र शर्मा की पीठ ने सुनवाई के दौरान सबसे पहले यही सवाल उछाला कि यदि मुख्य चुनाव आयुक्त (ब्लू) और चुनाव आयुक्तों (ग्रे) का पद लोकतंत्र के लिए इतना महत्वपूर्ण है, तो फिर उनके चयन की प्रक्रिया ऐसी क्यों न हो, जिस पर किसी भी प्रकार का संदेह न रहे? अदालत ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि चुनाव आयोग केवल स्वतंत्र होकर काम करे, इतना पर्याप्त नहीं है।य उस स्वतंत्र दिखाई भी देना चाहिए। इसी संदर्भ में अदालत ने सरकार से सीधा प्रश्न किया



स्वतंत्र हैं और एक संस्था दूसरी की स्वतंत्रता में हस्तक्षेप नहीं कर सकती। लेकिन अदालत ने तुरंत स्पष्ट किया कि उसका उद्देश्य प्रधानमंत्री पर अविश्वास जताना नहीं है। पीठ ने कहा कि प्रश्न किसी व्यक्ति विशेष का नहीं, बल्कि उस प्रक्रिया का है जो जनता के विश्वास की कसौटी पर खरी उतरनी चाहिए। न्यायाधीशों ने कहा, हम यह नहीं कह रहे कि वर्तमान समिति ने निष्पक्षता नहीं बरती है। लेकिन जैसे न्याय केवल किया ही नहीं जाना चाहिए, बल्कि होता हुआ दिखना भी चाहिए, उसी प्रकार चुनाव आयोग की नियुक्ति प्रक्रिया में भी निष्पक्षता दिखाई देनी

सरकार से एक और तीखा सवाल पूछा। पीठ ने याद दिलाया कि पहले भी अदालत ने निर्वाचित सरकार पर भरोसा जताते हुए आपराधिक पृष्ठभूमि वाले लोगों को मंत्री न बनाने की अपेक्षा की थी। ऐसे में आज सरकार में कितने मंत्रियों के खिलाफ आपराधिक मामले लंबित हैं? इस टिप्पणी के जरिए अदालत ने संकेत दिया कि लोकतांत्रिक संस्थाओं की विश्वसनीयता केवल संवैधानिक प्रावधानों से नहीं, बल्कि सार्वजनिक विश्वास से भी तय होती है। हम आपको बता दें कि यह पूरा विवाद 2023 के उस कानून को लेकर है, जिसके तहत राष्ट्रपति

कि संसद की विधायी बुद्धिमत्ता पर सवाल उठाना न्यायिक मर्यादा के अनुरूप नहीं होगा। उनका कहना था कि केवल इसलिए कि कोई दूसरा मॉडल बेहतर हो सकता है, संसद द्वारा चुनी गई व्यवस्था को असंवैधानिक नहीं ठहराया जा सकता। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा कि प्रंसद को इस प्रकार बाधित नहीं किया जा सकता। सरकार ने अपने हलफनामे में भी यही रुख दोहराया। केंद्र ने कहा कि यह आशंका पूरी तरह काल्पनिक है कि चयन प्रक्रिया में कड़ा विरोध किया। उनका कहना था कि लगभग 20 दिन तक विस्तृत सुनवाई चलने के बाद अब इस आधार पर मामला बड़ी पीठ को भेजने की मांग करना केवल सुनवाई को टालने का प्रयास है। दोनों पक्षों की विस्तृत दलीलें सुनने के बाद सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र की उस याचिका पर अधिक समय तक चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति पूरी तरह कार्यपालिका द्वारा होती रही, लेकिन इस दौरान देश में स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव कभी बाधित नहीं हुए। इसलिए केवल आशंकाओं के आधार पर

बढ़ते अरबपति गतिशील इकोनोमी के परिचायक

सवाल एक और उभरता है कि अमीर—गरीब की खाई अधिक गहरी नहीं होनी चाहिए। सकारात्मक पक्ष यह है कि रोजगार और रोजगार के अवसर बढ़े हैं। नागरिकों की आय बढ़ने लगी है और इसका समाज के समग्र विकास पर असर पड़ता है। आय बढ़ेगी या रोजगार उपलब्ध होगा तो रहन—सहन, जीवन यापन के स्तर में सुधार होगा। एक बात तो साफ हो जानी चाहिए कि देश की इकोनोमी में तेजी से बदलाव देखा जा रहा है। केन्द्र सरकार द्वारा पिछले दिनों में संसद में प्रस्तुत आंकड़ों का ही विश्लेषण करें तो दो बातें साफ हो जाती है कि देश में अरबपतियों की संख्या में बेतहासा बढ़ोतरी हो रही है तो दूसरी और इंकमटैक्स रिटर्न भरने वालों की भी संख्या में इजाफा हो रहा है। संसद में पेश आंकड़ों के विश्लेषण से यह साफ हो रहा है कि आयकर रिटर्न में 100 करोड़ से अधिक की आय बताने वालों की संख्या 2021—22 की 142 से बढ़कर 576 हो गई है। आयकर रिटर्न के अनुसार पिछले सालों एक अरब से अधिक आय वालों की संख्या में तेजी से बढ़ोतरी हो रही है। इसे गतिशील अर्थ व्यवस्था का परिचायक माना जा सकता है। पिछले पांच साल के आंकड़ों का ही विश्लेषण किया जाए तो देश में बेरोजगारी की दर में भी कमी आई है। हालांकि सरकार इसके लिए अपनी लोककल्याणकारी नीतियों को श्रेय देती है। आयकर प्रक्रिया में सुधार, सामाजिक सुरक्षा योजनाओं से सीधा लाभ, खाद्य, स्वास्थ्य, शिक्षा, आवास, परिवहन, पानी बिजली आदि आदि की जनहितकारी योजनाओं से विश्वोन्मुखी माहौल से देश में तेजी से सुधार का माहौल बना है। हालांकि देश के कुल परिसंपत्तियों में 50 फीसदी से अधिक लोग केवल 2 प्रतिशत की ही हिस्सेदारी रखते हैं। अच्छी बात यह है कि आज की युवा पीढ़ी सकारात्मकता के साथ आगे बढ़ रही है और युवकों के साथ ही महिलाओं की भागीदारी भी तेजी से बढ़ रही है। भारतीय अर्थव्यवस्था को लेकर एक सकारात्मक पक्ष यह है कि समन्वित प्रयासों से अर्थव्यवस्था के क्षेत्र में नए क्षेत्रों को तेजी से व योजनाबद्ध तरीके से बढ़ावा दिया गया है। परंपरागत क्षेत्रों के साथ ही नए क्षेत्रों में अवसर खुले हैं और इसका सबसे अधिक लाभ युवा पीढ़ी उठा रही है। एक आंकड़े के अनुसार 425 करोड़ से अधिक की संपत्ति वाले 3040 में से 1696 ऐसे उद्यमी है जो नई पीढ़ी और पहली पीढ़ी के हैं।

आज का राशिफल

मेथ राशि
मेथ राशि वालों आज का दिन आपके लिए खास रहने वाला है। सामाजिक क्षेत्र में आपकी सक्रियता बढ़ेगी।
वृष राशि—
वृष राशि वालों आज का दिन फेवरेबल रहने वाला है। आज किसी खास काम में आपको फायदा होने वाला है।
मिथुन राशि—
मिथुन राशि वालों आज का दिन आपके अनुकूल रहने वाला है। कार्य स्थल पर आज आपको अपना बेहतर प्रदर्शन करने के लिए अपनी एकाग्रता बनाए रखनी होगी।
कर्क राशि—
कर्क राशि वालों आज का दिन आपके लिए नयी उमंगों से भरा रहने वाला है। आज आप अपना लक्ष्य पाने के लिए नई योजनाएं बना सकते हैं।
सिंह राशि
सिंह राशि वालों आज आपका दिन खुशनुमा रहने वाला है। आज व्यापार में कुछ नई उपलब्धियां मिलने की संभावना है। इस समय तरक्की के अच्छे योग बने हुए हैं।
कन्या राशि
कन्या राशि वालों आज का दिन आपके लिए बेहतर रहने वाला है। आज किसी मामले में अपनी समझ से काम करना होगा, तभी काम का परिणाम अच्छा मिलेगा।
तुला राशि
तुला राशि वालों आज का दिन फेवरेबल रहने वाला है। आज कामकाज से जुड़ी चुनौती आपके सामने आयेगी, लेकिन आप उस चुनौती से तुरंत ही पार पा लेंगे।
वृश्चिक राशि
वृश्चिक राशि वालों आज का दिन आपके लिए खास होने वाला है। आज ऑफिस में सीनियर्स और बॉस के द्वारा कुछ बतैयाज जा रहा हैं
धनु राशि
धनु राशि वालों आज का दिन आपके लिए ठीक ठाक रहने वाला है।
मकर राशि—
मकर राशि वालों आज का दिन आपके लिए सकारात्मक रहने वाला है। आज ऑफिस में वर्कलोड बढ़ सकता है लेकिन आपके द्वारा किए गए काम से आपके बॉस काफी इम्प्रेस होंगे।
कुम्भ राशि
कुम्भ राशि वालों आज का दिन आपके लिए ठीक—ठाक रहने वाला है। आज बिजनेस को लेकर आप कुछ नया प्लान बनायेंगे।
मीन राशि—
मीन राशि वालों आज का दिन आपके लिए शानदार रहने वाला है। आज आपका पूरा ध्यान अपने कार्यशैली में सुधार करने में रहेगा। आज बच्चे अपने माता पिता का ज्यादा ध्यान रखेंगे और बात भी मानेंगे।

सम्पादकीय

आय में सुस्ती

आम जन का जीवन स्तर गतिरुद्ध हो, शिक्षा उज्ज्वल भविष्य की सीढ़ी नजर ना आ रही हो, और बेरोजगारी से निपटने के उपाय दिखावटी बन गए हों, तो कैसी सामाजिक शांति की आशा की जा सकती है? विभिन्न जन समूहों में असंतोष क्यों फैल रहा है, सरकार चाहे तो इसे खुद अपने आंकड़ों से समझ सकती है। खुद उसकी नीतियों ने युवा वर्ग में भविष्य के प्रति निराशा भरी है, तो बहुसंख्यक ग्रामीण आबादी की जिंदगी को दूमर बनाया है। कुछ बानगियों पर गौर कीजिए। 2024 में युवा बेरोजगारी दूर करने के लिए धूम—धड़ाके से शुरु की गई प्रधानमंत्री इंटरनशिप योजना अपने लक्ष्य से 99 प्रतिशत पीछे चल रही है। कॉर्पोरेट मंत्रालय ने एक आरटीआई अर्जी पर बताया कि 30 अप्रैल 2026 तक कंपनियों ने 2.97 लाख इंटरनशिप अवसर पैदा किए, जो दो साल के लक्ष्य का लगभग दसवां हिस्सा है। तस्वीर और निराशाजनक हो जाती है, जब ध्यान जाता है कि वास्तविक ऑफर 1.73 लाख ही रह गए। इनमें से जिन लोगों को ऑफर दिए गए, उनमें से लगभग 18,000 लोग ही काम पर पहुंचे। उन से केवल 5,200 लोग अंत तक टिके पाए। इस बीच ये आंकड़ा भी चर्चित हुआ है कि केंद्रीय बजट में शिक्षा मंत्रालय के लिए आवंटन 2013—14 (4.6 फीसदी) की तुलना में 2025—26 में आधा (2.5 प्रतिशत) रह गया है। इसी बीच राष्ट्रीय कृषि और ग्रामीण विकास बैंक (नाबाई) की एक ताजा रिपोर्ट से सामने आया है कि सिर्फ 27.7 प्रतिशत ग्रामीण परिवारों की आय में पिछले वर्ष वृद्धि दर्ज हुई। यह सितंबर 2024 से शुरु हुए इस सर्वे का सबसे निचला स्तर है। इसके मुताबिक 52.6 फीसदी परिवारों की आय में कोई बदलाव नहीं हुआ, जबकि 19.8 प्रतिशत परिवारों की आय गिरी। यानी 72 फीसदी परिवारों के जीवन स्तर में सुधार दर्ज नहीं हुआ। आय में सुस्ती और वित्तीय दबाव के कारण अनौपचारिक माध्यमों (जैसे रिश्तेदारों, दोस्तों, या स्थानीय साहूकारों) से कर्ज लेने वालों की संख्या तेजी से बढ़ी है। ऐसे परिवारों की संख्या 23.6 प्रतिशत हो गई है। जब इस तरह लोगों का जीवन स्तर गतिरुद्ध हो, जमीनी स्तर पर अपनी जर्जर स्थिति के कारण शिक्षा उज्ज्वल भविष्य की सीढ़ी अद नजर ना आ रही हो, और विकराल बेरोजगारी से निपटने के उपाय दिखावटी बन कर रह जाएं, तो समाज में कैसी स्थिरता और शांति की आशा की जा सकती है?

सचमुच नई पीढ़ी का आंदोलन

नीट यूजी पेपर लीक के खिलाफ जंतर मंतर का आंदोलन सचमुच नई पीढ़ी का आंदोलन थे। सिर्फ इस लिहाज से नहीं कि नई पीढ़ी के लोग इसमें शामिल हुए। वह एक पहलू है कि घबराक होने से पहले की उम्र वाले किशोर और युवा इस आंदोलन का हिस्सा बने। इस लिहाज से भी यह नई पीढ़ी का आंदोलन था कि इसमें नए साधनों और नए माध्यमों का खुल कर इस्तेमाल हुआ। छात्र और युवा सोशल मीडिया के जरिए अपना नैरेटिव बना रहे हैं। उनकी रचनात्मकता देखना वाली है। वे पारंपरिक मीडिया या पुराने व स्थापित सोशल मीडिया हैंडल्स के भरोसे नहीं हैं। वे अपना कंटेंट तैयार कर रहे हैं और उसे प्रचारित कर रहे हैं। तभी उनके ऊपर इस बात का असर नहीं पड़ा कि मीडिया या सोशल मीडिया इसको कैसे दिखाता है और सरकार किस तरह से इसकी साख बिगाड़ने का प्रयास करती है। वह प्रयास होता रहा लेकिन उस पर भारी युवाओं का अपना कंटेंट था। उन्होंने बहुत प्रभावी तरीके से सोशल मीडिया का इस्तेमाल किया। इसी तरह ऐप बेस्ट सेवाओं का इस्तेमाल जैसा इस आंदोलन में हुआ वैसा पहले कभी नहीं हुआ। वैसे भी नए समय का पहला बड़ा आंदोलन है। तभी कई दिन तक नई दिल्ली के आसपास के सारे मेट्रो स्टेशन बंद रहने पर भी छात्रों को परेशानी नहीं हुई। उन्होंने सबके रास्ते निकाले। ऐप बेस्ट कैब सेवाएं हो या ऐप बेस्ट फूड डिलीवरी की सेवा हो, जंतर मंतर पर सबका इस्तेमाल हुआ। इसी तरह आंदोलनकारी अपने नारों और कंटेंट में भी बहुत अलग हैं। वे पुराने नारों से अपनी लड़ाई नहीं लड़ रहे हैं। बहुत लोगों को बुरा लगता है और वे पुराने जमाने के नारे लिख कर बता रहे हैं कि पहले कितना सारगर्भित और साफ सुथरा नारा हुआ करता था। यह भी कहा जा रहा है कि युवाओं के नारे अश्लील हैं और इससे उनका आंदोलन प्रभावित हो रहा है। लेकिन इस तरह की बातों से युवाओं पर कोई असर नहीं पड़ा है। वे बिना किसी शर्मिंदगी या बिना किसी माफीनामे के अपनी बात कह रहे हैं। पहली बार सरकार और भाजपा के पूरे इकोसिस्टम को लगा कि छात्रों व युवाओं के जिस समूह के साथ प्रधानमंत्री परीक्षा पर चर्चा करते थे या जिनके लिए एग्जाम वारियर्स नाम से किताब लिखी है वे नाराज होते हैं तो क्या कर सकते हैं? अब तक सरकार ने उनका सद्भाव देखा था लेकिन अब उन्होंने नाराजगी दिखाई है। सद्भाव और समर्थन दिखाने का उनका तरीका भी वैसा था, जैसे विरोध दिखाने का है। पहले वे इस तरह की बातों का इस्तेमाल विपक्षी पार्टियों के लिए करते थे, तब सरकार और भाजपा के इकोसिस्टम को यह सब अच्छा लगता था। लेकिन अब उन्हीं की दवाई से उनका इलाज हो रहा है तो बुरा लग रहा है।

प्रधानमंत्री विद्यालक्ष्मी योजना शिक्षा मंत्रालय की एक प्रमुख पहल है, जिसका उद्देश्य आर्थिक तंगी का सामना कर रहे मेधावी छात्रों के लिए गुणवत्तापूर्ण उच्च शिक्षा को सुलभ बनाना है। यह योजना ऐसे छात्रों को देश के शीर्ष रैंक वाले उच्च शिक्षण संस्थानों में पढ़ाई के लिए बिना किसी जमानत (कोलैटरल—फ्री) और बिना किसी गारंटर के शिक्षा ऋण प्रदान करती है। यह पारिवारिक आय के आधार पर ब्याज छूट के माध्यम से लाभार्थियों को अतिरिक्त सहायता प्रदान करती है, जिससे उच्च शिक्षा हासिल करने में आने वाली आर्थिक तंगी कम होती हैं। इस तरह, यह योजना भारत को सतत विकास लक्ष्य 4 (एसडीजी 4) की दिशा में प्रगति करने में योगदान देती है। एसडीजी 4 का उद्देश्य 2030 तक सभी के लिए समावेशी और समान गुणवत्तापूर्ण शिक्षा सुनिश्चित करना तथा आजीवन सीखने के अवसरों को बढ़ावा देना है।

उच्च शिक्षा में आर्थिक बाधाओं को दूर करना पिछले एक दशक के दौरान भारत में उच्च शिक्षा में दाखिले तेजी से बढ़े हैं। सकल नामांकन अनुपात (जीईआर) 2014—15 में जहां 23.7८न था वह 2023—24 में बढ़कर 30.0८न हो गया। हालांकि, कई मेधावी छात्रों के लिए आर्थिक तंगी की वजह से देश के शीर्ष रैंक वाले संस्थानों में गुणवत्ता वाली उच्च शिक्षा पाना अभी भी मुश्किल भरा रहा है। कई छात्र शिक्षा ऋण के माध्यम से इस आर्थिक तंगी को पूरा करने का प्रयास करते हैं, लेकिन ऐसे कई और छात्र हैं जो इन ऋणों पर लगने वाली ऊँची ब्याज दरों को वहन नहीं कर सकते। इसके कारण अपनी योग्यता के बावजूद इन छात्रों का आईआईटी, आईआईएम और देश के कई अन्य शीर्ष रैंक वाले संस्थानों में पढ़ाई करने का सपना पूरा नहीं हो पाता। ऐसे छात्रों की सहायता के लिए केंद्रीय मंत्रिमंडल ने 6 नवंबर, 2024 को पीएम विद्यालक्ष्मी योजना को मंजूरी दी थी। यह एक मिशन—मोड पहल है, जिसके तहत देश के चुनिंदा बेहतरीन उच्च शिक्षण संस्थानों में अपनी योग्यता के आधार पर प्रवेश पाने वाले छात्रों को बिना किसी जमानत और गारंटर के शिक्षा ऋण उपलब्ध कराया जाता है। 8 लाख रुपये तक की वार्षिक पारिवारिक आय वाले छात्रों को उल्लेखनीय रूप से इस योजना के अंतर्गत 1,425 उच्च शिक्षण संस्थान शामिल हैं, जिनमें सार्वजनिक और निजी दोनों संस्थान शामिल हैं। मैनेजमेंट कोटा, एनआरआई कोटा आदि के तहत होने वाले दाखिले इस योजना के लाभ के लिए पात्र नहीं होंगे।

बैंकों को कवरेज का विस्तार करने में सहायता प्रदान करने के उद्देश्य से भारत सरकार द्वारा 7.5 लाख तक के ऋण पर 75८न क्रेडिट गारंटी प्रदान की जाती है। 8 लाख रुपये तक की वार्षिक पारिवारिक आय वाले छात्रों के लिए यह योजना 10 लाख रुपये तक के ऋण पर 3८न ब्याज सब्सिडी का प्रावधान करती है। यह उस पूरी ब्याज सब्सिडी के अलावा है जो पहले से ही उन छात्रों को दी जाती है जिनके परिवार की सालाना आय 4.5 लाख तक है।

तकनीकी/व्यावसायिक पाठ्यक्रम या एनबीएस से मान्यता प्राप्त पाठ्यक्रम करने वाले ऐसे छात्र, जिनकी वार्षिक पारिवारिक आय 4.5 लाख रुपये तक है, उन्हें 10 लाख रुपये तक के शिक्षा ऋण पर मोराटोरियम अवधि के दौरान 100८न ब्याज सब्सिडी मिलती है। इसके अतिरिक्त, पीएम—विद्यालक्ष्मी की ब्याज सब्सिडी योजना का दायरा व्यापक है और इसमें नामित गुणवत्तापूर्ण उच्च शिक्षण संस्थानों के सभी पाठ्यक्रम शामिल हैं। इस योजना के तहत 8 लाख रुपये से कम वार्षिक पारिवारिक आय वाले मेधावी छात्रों को 10 लाख रुपये तक के शिक्षा ऋण पर मोराटोरियम अवधि (पाठ्यक्रम की अवधि और उसके बाद एक वर्ष) के दौरान 3८न ब्याज सब्सिडी दी जाती है। यदि शिक्षा ऋण की राशि 10 लाख रुपये से अधिक है, तो ब्याज सब्सिडी केवल 10 लाख रुपये तक की वितरित कुल मूलधन राशि पर ही प्रदान की जाएगी। जो छात्र केंद्र या राज्य सरकार की किसी अन्य छात्रवृत्ति, ब्याज सब्सिडी योजना या शुल्क प्रतिपूर्ति योजना का लाभ ले रहे हैं, वे सीएसआईएस या पीएम—विद्यालक्ष्मी योजना के तहत ब्याज सब्सिडी का लाभ लेने के पात्र नहीं होंगे।

एक वर्ष में अधिकतम 1 लाख छात्र मोराटोरियम अवधि के दौरान 3८न ब्याज सब्सिडी के लिए पात्र होंगे। हालांकि, सीएसआईएस लाभार्थियों के लिए ऐसी कोई अधिकतम सीमा निर्धारित नहीं है। छात्रों के लिए पात्रता मानदंड यह योजना उन छात्रों के लिए उपलब्ध है, जिन्होंने भारत के निर्धारित गुणवत्तापूर्ण उच्च शिक्षा संस्थानों में से किसी में प्रतियोगी परीक्षाओं के माध्यम से मेरिट के आधार पर प्रवेश प्राप्त किया है। योजना के तहत सभी डिग्री और डिप्लोमा पाठ्यक्रमों के लिए शिक्षा ऋण उपलब्ध है। शिक्षा ऋण की पुनर्मुगता न अवधि 1 मोरेटोरियम अवधि (पाठ्यक्रम अवधि 1 वर्ष) को छोड़कर अधिकतम 15 वर्ष तक होगी। इन सभी लाभों का लाभ उठाने के लिए छात्रों को आधार के माध्यम से पंजीकरण करना, अपने पाठ्यक्रम में पंजीकरण कराना और संतोषजनक शैक्षणिक प्रदर्शन बनाए रखना आवश्यक है। संलग्न शर्तें आवेदकों को पाठ्यक्रम बीच में नहीं छोड़ना चाहिए और न ही अनुशासनात्मक या शैक्षणिक कारणों से संस्थान से निष्कासित किया गया होना चाहिए। दूसरे वर्ष से आगे ब्याज सब्सिडी का लाभ जारी रखने के लिए छात्र को संतोषजनक शैक्षणिक प्रदर्शन बनाए रखना होगा।

पीएम—विद्यालक्ष्मी योजना, पीएम—यूएसपी सीएसआईएस (प्रधानमंत्री उच्चतर शिक्षा प्रोत्साहन क्षेत्र ब्याज सब्सिडी योजना) की पूरक है। पीएम—यूएसपी सीएसआईएस के तहत, के तहत एनएएससी से मान्यता प्राप्त उच्च शिक्षण संस्थानों में तकनीकी/व्यावसायिक पाठ्यक्रम या एनबीएस से मान्यता प्राप्त पाठ्यक्रम करने वाले ऐसे छात्र, जिनकी वार्षिक पारिवारिक आय 4.5 लाख रुपये तक है, उन्हें 10 लाख रुपये तक के शिक्षा ऋण पर मोराटोरियम अवधि

डिजिटल है। इसके लिए एक एकीकृत पोर्टल उपलब्ध है, जिसके माध्यम से छात्र शिक्षा ऋण के लिए आवेदन कर सकते हैं, अपने आवेदन की स्थिति देख सकते हैं, ब्याज सब्सिडी का दावा कर सकते हैं और अपनी शिकायतें भी दर्ज करा सकते हैं।

यह योजना राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी), 2020 से प्रेरित है, जो सिफारिश करती है कि सार्वजनिक और निजी दोनों उच्च शिक्षा संस्थानों (एचईआईएस) में अध्ययन के लिए मेधावी छात्रों को विभिन्न माध्यमों से वित्तीय सहायता उपलब्ध कराई जानी चाहिए। इसका उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि पैसे की कमी के कारण कोई भी मेधावी छात्र देश के सर्वश्रेष्ठ संस्थानों में पढ़ने से वंचित न रहे। पीएम विद्यालक्ष्मी योजना समावेशी और समान गुणवत्तापूर्ण शिक्षा को बढ़ावा देने तथा सभी के लिए आजीवन सीखने के अवसर उपलब्ध कराने के माध्यम से सतत विकास लक्ष्य (एडीजी) 4 और राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 के उद्देश्यों को आगे बढ़ाने में सकारात्मक योगदान देती है।

विशेषताएं, लाभ और कवरेज पीएम—विद्यालक्ष्मी योजना के तहत देश के नामित गुणवत्तापूर्ण उच्च शिक्षण संस्थानों में अपनी योग्यता के आधार पर प्रवेश पाने वाले छात्रों को बिना किसी जमानत और गारंटर के शिक्षा ऋण उपलब्ध कराया जाता है। वर्तमान में इस योजना के अंतर्गत 1,425 उच्च शिक्षण संस्थान शामिल हैं, जिनमें सार्वजनिक और निजी दोनों संस्थान शामिल हैं। मैनेजमेंट कोटा, एनआरआई कोटा आदि के तहत होने वाले दाखिले इस योजना के लाभ के लिए पात्र नहीं होंगे।

बैंकों को कवरेज का विस्तार करने में सहायता प्रदान करने के उद्देश्य से भारत सरकार द्वारा 7.5 लाख तक के ऋण पर 75८न क्रेडिट गारंटी प्रदान की जाती है। 8 लाख रुपये तक की वार्षिक पारिवारिक आय वाले छात्रों के लिए यह योजना 10 लाख रुपये तक के ऋण पर 3८न ब्याज सब्सिडी का प्रावधान करती है। यह उस पूरी ब्याज सब्सिडी के अलावा है जो पहले से ही उन छात्रों को दी जाती है जिनके परिवार की सालाना आय 4.5 लाख तक है।

तकनीकी/व्यावसायिक पाठ्यक्रम या एनबीएस से मान्यता प्राप्त पाठ्यक्रम करने वाले ऐसे छात्र, जिनकी वार्षिक पारिवारिक आय 4.5 लाख रुपये तक है, उन्हें 10 लाख रुपये तक के शिक्षा ऋण पर मोराटोरियम अवधि के दौरान 100८न ब्याज सब्सिडी मिलती है। इसके अतिरिक्त, पीएम—विद्यालक्ष्मी की ब्याज सब्सिडी योजना का दायरा व्यापक है और इसमें नामित गुणवत्तापूर्ण उच्च शिक्षण संस्थानों के सभी पाठ्यक्रम शामिल हैं। इस योजना के तहत 8 लाख रुपये से कम वार्षिक पारिवारिक आय वाले मेधावी छात्रों को 10 लाख रुपये तक के शिक्षा ऋण पर मोराटोरियम अवधि (पाठ्यक्रम की अवधि और उसके बाद एक वर्ष) के दौरान 3८न ब्याज सब्सिडी दी जाती है। यदि शिक्षा ऋण की राशि 10 लाख रुपये से अधिक है, तो ब्याज सब्सिडी केवल 10 लाख रुपये तक की वितरित कुल मूलधन राशि पर ही प्रदान की जाएगी।

जो छात्र केंद्र या राज्य सरकार की किसी अन्य छात्रवृत्ति, ब्याज सब्सिडी योजना या शुल्क प्रतिपूर्ति योजना का लाभ ले रहे हैं, वे सीएसआईएस या पीएम—विद्यालक्ष्मी योजना के तहत ब्याज सब्सिडी का लाभ लेने के पात्र नहीं होंगे।

एक वर्ष में अधिकतम 1 लाख छात्र मोराटोरियम अवधि के दौरान 3८न ब्याज सब्सिडी के लिए पात्र होंगे। हालांकि, सीएसआईएस लाभार्थियों के लिए ऐसी कोई अधिकतम सीमा निर्धारित नहीं है। छात्रों के लिए पात्रता मानदंड यह योजना उन छात्रों के लिए उपलब्ध है, जिन्होंने भारत के निर्धारित गुणवत्तापूर्ण उच्च शिक्षा संस्थानों में से किसी में प्रतियोगी परीक्षाओं के माध्यम से मेरिट के आधार पर प्रवेश प्राप्त किया है। योजना के तहत सभी डिग्री और डिप्लोमा पाठ्यक्रमों के लिए शिक्षा ऋण उपलब्ध है। शिक्षा ऋण की पुनर्मुगता न अवधि 1 मोरेटोरियम अवधि (पाठ्यक्रम अवधि 1 वर्ष) को छोड़कर अधिकतम 15 वर्ष तक होगी। इन सभी लाभों का लाभ उठाने के लिए छात्रों को आधार के माध्यम से पंजीकरण करना, अपने पाठ्यक्रम में पंजीकरण कराना और संतोषजनक शैक्षणिक प्रदर्शन बनाए रखना आवश्यक है। संलग्न शर्तें आवेदकों को पाठ्यक्रम बीच में नहीं छोड़ना चाहिए और न ही अनुशासनात्मक या शैक्षणिक कारणों से संस्थान से निष्कासित किया गया होना चाहिए। दूसरे वर्ष से आगे ब्याज सब्सिडी का लाभ जारी रखने के लिए छात्र को संतोषजनक शैक्षणिक प्रदर्शन बनाए रखना होगा।

पीएम—विद्यालक्ष्मी योजना, पीएम—यूएसपी सीएसआईएस (प्रधानमंत्री उच्चतर शिक्षा प्रोत्साहन क्षेत्र ब्याज सब्सिडी योजना) की पूरक है। पीएम—यूएसपी सीएसआईएस के तहत, के तहत एनएएससी से मान्यता प्राप्त उच्च शिक्षण संस्थानों में तकनीकी/व्यावसायिक पाठ्यक्रम या एनबीएस से मान्यता प्राप्त पाठ्यक्रम करने वाले ऐसे छात्र, जिनकी वार्षिक पारिवारिक आय 4.5 लाख रुपये तक है, उन्हें 10 लाख रुपये तक के शिक्षा ऋण पर मोराटोरियम अवधि

डिजिटल है। इसके लिए एक एकीकृत पोर्टल उपलब्ध है, जिसके माध्यम से छात्र शिक्षा ऋण के लिए आवेदन कर सकते हैं, अपने आवेदन की स्थिति देख सकते हैं, ब्याज सब्सिडी का दावा कर सकते हैं और अपनी शिकायतें भी दर्ज करा सकते हैं।

यह योजना राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी), 2020 से प्रेरित है, जो सिफारिश करती है कि सार्वजनिक और निजी दोनों उच्च शिक्षा संस्थानों (एचईआईएस) में अध्ययन के लिए मेधावी छात्रों को विभिन्न माध्यमों से वित्तीय सहायता उपलब्ध कराई जानी चाहिए। इसका उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि पैसे की कमी के कारण कोई भी मेधावी छात्र देश के सर्वश्रेष्ठ संस्थानों में पढ़ने से वंचित न रहे। पीएम विद्यालक्ष्मी योजना समावेशी और समान गुणवत्तापूर्ण शिक्षा को बढ़ावा देने तथा सभी के लिए आजीवन सीखने के अवसर उपलब्ध कराने के माध्यम से सतत विकास लक्ष्य (एडीजी) 4 और राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 के उद्देश्यों को आगे बढ़ाने में सकारात्मक योगदान देती है।

विशेषताएं, लाभ और कवरेज पीएम—विद्यालक्ष्मी योजना के तहत देश के नामित गुणवत्तापूर्ण उच्च शिक्षण संस्थानों में अपनी योग्यता के आधार पर प्रवेश पाने वाले छात्रों को बिना किसी जमानत और गारंटर के शिक्षा ऋण उपलब्ध कराया जाता है। वर्तमान में इस योजना के अंतर्गत 1,425 उच्च शिक्षण संस्थान शामिल हैं, जिनमें सार्वजनिक और निजी दोनों संस्थान शामिल हैं। मैनेजमेंट कोटा, एनआरआई कोटा आदि के तहत होने वाले दाखिले इस योजना के लाभ के लिए पात्र नहीं होंगे।

बैंकों को कवरेज का विस्तार करने में सहायता प्रदान करने के उद्देश्य से भारत सरकार द्वारा 7.5 लाख तक के ऋण पर 75८न क्रेडिट गारंटी प्रदान की जाती है। 8 लाख रुपये तक की वार्षिक पारिवारिक आय वाले छात्रों के लिए यह योजना 10 लाख रुपये तक के ऋण पर 3८न ब्याज सब्सिडी का प्रावधान करती है। यह उस पूरी ब्याज सब्सिडी के अलावा है जो पहले से ही उन छात्रों को दी जाती है जिनके परिवार की सालाना आय 4.5 लाख तक है।

सावन मेले का आगाज, रामनगरी में उमड़े श्रद्धालु

अयोध्या। सावन मेले के आगाज के साथ ही रामनगरी में हर–हर महादेव के जयकारों के साथ भक्ति का माहौल छाया हुआ है। गुरुवार से सावन मेला शुरु होते ही अयोध्या में श्रद्धा का सैलाब उमड़ पड़ा है। सुबह सरयू में स्नान ध्यान के बाद राम की पैड़ी स्थित नागेश्वरनाथ व अन्य शिवालयों में जलामिषेक करने वालों का तांता लगा दिख। शिवालयों में शाम तक श्रद्धालु कतारबद्ध दिखे। पूरी अयोध्या दिन भर ओम नमः शिवाय के जाप से गुंजती रही। हनुमानगढ़ी और राम मंदिर में दर्शनार्थियों का मेला जुटा दिखा। श्रद्धालुओं को तमाम सुविधाएं देने के उद्देश्य से सीएम योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर अयोध्या प्रशासन पूरी तरह अलर्ट दिखा। गुरुवार भोर से ही श्रद्धालुओं द्वारा सरयू स्नान के बाद नागेश्वरनाथ मंदिर में जलामिषेक कर शिव जी की आराधना की गई। क्षीरेश्वरनाथ मंदिर पर भी श्रद्धालुओं की भीड़ लगी रही। हनुमानगढ़ी और श्रीराम मंदिर में भी दर्शनार्थियों का तांता लगा

प्रगतिशील ग्राम प्रधानों व प्रशासकों के बीच हुआ संवाद

अयोध्या। जिलाधिकारी शशांक त्रिपाठी की अध्यक्षता में गुरुवार को कलेक्ट्रेट सभागार में प्रगतिशील ग्राम प्रधानों एवं प्रशासकों के साथ संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विभिन्न विकास खंडों के ग्राम प्रधानों एवं प्रशासकों ने अपनी ग्राम पंचायतों में किए गए नवाचारों, उपलब्धियों तथा विकास कार्यों की जानकारी साझा की तथा जनहित से जुड़े विभिन्न मुद्दों को प्रस्तुत किया।

बैठक में ग्राम पंचायत डेरवा दाउदपुर, विकास खंड मयाबाजार की ओर से स्वयं सहायता समूह की महिलाओं को उत्पाद निर्माण का प्रशिक्षण प्रदान कर उनके उत्पादों की बिक्री हेतु कंपनियों से लिंक स्थापित कराने का अनुरोध किया गया। साथ ही ग्राम पंचायत में आयुष्मान आरोप्य केंद्र की स्थापना, स्वास्थ्य सुविधाओं के विस्तार तथा किशोरियों के स्वास्थ्य परीक्षण की व्यवस्था सुनिश्चित करने का सुझाव दिया गया। इस पर जिलाधिकारी ने मुख्य चिकित्साधिकारी एवं उपायुक्त (स्वतः रोजगार) को आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए। विकास खंड मवाई की ग्राम पंचायत कुशहरी के प्रतिनिधि ने जल जीवन मिशन के अंतर्गत पाइपलाइन बिछाने के कार्य में लापरवाही, सड़कों के समुचित पुनर्निर्माण न होने तथा पेयजल आपूर्ति में आ रही समस्याओं की ओर ध्यान आकृष्ट

रहा। शहर के सभी शिवालयों में देर शाम तक भक्तों की कतारें बनी रही और हर–हर महादेव के जयकारे गुंजते रहे। राम मंदिर परिसर और सरयू घाटों पर विशेष इंतजाम किए गए हैं। कांवड़ियोंऔर श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए व्यापक व्यवस्था की गई है। प्रशासन ने कांवड़ यात्रा और जलामिषेक के लिए विशेष प्रबंध किए हैं। पुलिस, स्वास्थ्य और सफाई व्यवस्था को लेकर पूरी सतर्कता बरती जा रही है। जनपद गोंडा निवासी श्रद्धालु सतीश तिवारी ने बताया कि उनका हर साल सावन में ही श्रद्धा आना हमारा नियम है। सरयू में स्नान कर नागेश्वरनाथ में जलामिषेक किया। व्यवस्था बहुत अच्छी है। पानी भी साफ रखा गया है और घाटों पर सुरक्षा कर्मी

तैनात हैं। सीएम योगी के कारण अयोध्या का विकास हुआ है, इसलिए श्रद्धा और बढ़ गई है। लखनऊ से आई श्रद्धालु सुनीता शर्मा ने कहा कि हम पूरे परिवार के साथ आए हैं। राम मंदिर और हनुमानगढ़ी के दर्शन कर बहुत सुख मिला। शिवालयों में भीड़ तो है, लेकिन कतार व्यवस्थित है। पानी, शेड और मेडिकल सुवि्ा उपलब्ध है। प्रशासन की तैयारी सराहनीय है। सावन का महीना भक्ति का महीना है और अयोध्या में आकर मन को शांति मिलती है। नगर आयुक्त जयेन्द्र कुमार ने बताया कि मेले की तैयारियां पहले से ही पूरी कर ली गई थीं। सीएम योगी के निर्देशानुसार कांवड़ियों के लिए विशेष मार्ग, पेयजल, शौचालय और आपातकालीन चिकित्सा सेवाएं उपलब्ध कराई गई हैं। सरयू घाटों पर बाढ़ की स्थिति को ध्यान में रखते हुए सुरक्षा घेरा बनाया गया है। रात भर रोशनी और सफाई का काम चलता रहेगा।

कराया। इस पर जिलाडिाकारी ने अधिशासी अभियंता, जल निगम (ग्रामीण) को तत्काल निरीक्षण कर समस्याओं का समाधान सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। विकास खंड मसौधा की ग्राम पंचायत सरैया एवं विकास खंड पुराबाजार की ग्राम पंचायत सनेथू के प्रतिनिधियों ने ओएफसी केबल बिछाने के दौरान सड़क किनारे गहरे गड्ढे खोदे जाने से दुर्घटना की आशंका व्यक्त की। इस पर जिलाधिकारी ने संबंधित उप जिलाधिकारी एवं अधिशासी अभियंता को प्राथमिकता के आधार पर गड्ढों को भराकर सड़क सुरक्षा सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए।बैठक के दौरान ग्राम पंचायत डेरामूसी के प्रतिनिधि द्वारा सभी ग्राम प्रधानों एवं प्रशासकों के लिए एक दिवसीय उन्मुखीकरण कार्यशाला आयोजित किए जाने का सुझाव भी दिया गया। इस पर जिलाधिकारी ने जिला पंचायत राज अधिाकारी को मुख्य विकास अधिाकारी से समन्वय स्थापित

अयोध्या। एसएसवी इंटर कॉलेज में गुरुवार को आयोजित शिक्षक अभिभावक संघ के शैक्षिक सत्र 2026–27 के प्रथम आमसभा बैठक को संबोधित करते हुए जिला विद्यालय निरीक्षक डॉ.पवन कुमार तिवारी ने कहा कि बच्चों के लालन – पालन में अभिभावक जिस तरह की चुनौतियों का सामना करते हैं, उसी तरह ही चुनौतियों का सामना प्रधानाचार्य, शिक्षक और शिक्षा विभाग के सामने भी होती है। जिला विद्यालय निरीक्षक डॉ. तिवारी ने कहा कि वेबसीरीज को देखकर समाज और बच्चों में जो बदलाव आ रहा है, वही बदलाव बच्चे अपने खुद के जीवन में लागू कर रहे हैं। जाहिर है कि ऐसा करते हुए वह संस्कार से विमुख हो रहे हैं। टीवी स्क्रीन एक राक्षस है, जो धीरे – धीरे जीवन शैली बदल रहा है। यह समाज के सामने बड़ी चुनौती है। डीआईओएस डॉ.तिवारी ने कहा कि आज के परिवेश में भले ही बच्चे ज्ञानवान कम बनें लेकिन उन्हें चरित्रवान बनाने की पूरी कोशिश की जानी चाहिए। बच्चों को परिवार की जरूरत है, टीवी या सीरियल की नहीं। इस बात को जितना जल्दी समझना लिया जाए, उतना अच्छा है। अन्यथा बहुत देर हो जाएगी। उन्होंने कहा कि जो आज का मनोरंजन

है, वही कल का चरित्र, अनुभव, ज्ञान और शिक्षा बनेगा। ऐसे में सोशल मीडिया से खुद भी दूर रहें और बच्चों को भी दूर रखें। बच्चे की परवरिश और चरित्र स्कूल के ही भरोसे नहीं छोड़े। इस पर स्कूल और परिवार दोनों को ध्यान देना होगा। प्रधानाचार्य डॉ. मणि शंकर तिवारी ने कहा कि शिक्षक आंतरिक और अभिभावक वाह्य स्तर पर छात्रों के सर्वांगीण विकास में मददगार होते हैं। दोनों के समन्वय से ही शिक्षण कार्य में सफलता मिलती है। शिक्षक अभिभावक संघ के उपाध्यक्ष के तौर पर प्रधानाचार्य डॉ. तिवारी ने बैठक के एजेंडा बिंदुओं पर भी विस्तार से चर्चा की। उन्होंने आय – व्यय को भी सदन के समक्ष रखा। जिसका सभी ने करतल ध्वनि से अनुमोदन किया। विद्यालय के श्याम सुंदर इको क्लब की ओर से संचालित की जा रही गतिविधियों की अभिभावकों ने मुक्त कंठ से सराहना की। बच्चों की ओर से कराए गए पौधाारोपण को भी सराहा गया। अध्यक्षीय उद्बोधन संघ के अध्यक्ष अशुतोष मिश्रा ने व्यक्त किया।शिक्षक अभिभावक संघ के मंत्री शिक्षक अरुण कुमार दुबे ने पिछली कार्यवाही सभी के समक्ष रखी। जिसका सदन ने सभी सम्मति से सहर्ष अनुमोदन किया।

राजकीय डॉ. बृजकिशोर होम्योपैथिक मेडिकल कॉलेज में सुविधाओं को बेहतर बनाने की कवायद

अयोध्या। शहर के देवकाली स्थित राजकीय डॉ. बृजकिशोर होम्योपैथिक मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल में सुविधाओं को बेहतर बनाने की कवायद तेज हो गई है। कॉलेज के प्राचार्य प्रो. डॉ. आशीष कुमार सिंह ने शुक्रवार को अयोध्या नगर विधानसभा के विधायक वेद प्रकाश गुप्ता से मुलाकात कर उन्हें एक मांग पत्र सौंपा। मांग पत्र में प्राचार्य ने बताया कि यह चिकित्सा महाविद्यालय और अस्पताल अयोध्ा ही नहीं बल्कि आसपास के जनपदों के हजारों मरीजों को चिकित्सा सुविधा दे रहा है। यहां प्रतिदिन बड़ी संख्या में मरीज

उपचार के लिए आते हैं, लेकिन संसाधनों की कमी के कारण मरीजों और विद्यार्थियों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। प्राचार्य द्वारा सौंपे गए पत्र में जनहित को देखते हुए 9 प्रकार के उपकरणों और निर्माण कार्यों की मांग की गई है। जिसमें ऑटो बायोमेसट्री एनालाइजर, ऑटो एनालाइजर 16 चैनल ईसीजी मशीन, 5 व्हीलचैयर व स्ट्रेचर, 5 मरीज बेड, 5 सोलर स्ट्रीट लाइट, महिला छात्रावास के लिए एक आरओ प्लांट वाटर कूलर, मरीजों के लिए 1० वॉल फैन और 5 कूलर की आवश्यकता बताई गई है। इसके

अलावा संस्थान के मुख्य गेट के सामने आरसीसी निर्माण, विभागीय कक्ष और क्लास रूम के सामने की सड़क की मरम्मत और नाली को स्लेब से ढकवाने के कार्य को भी आवश्यक बताया गया है। विधायक वेद प्रकाश गुप्ता ने कहा कि केंद्र और प्रदेश में भाजपा सरकार बनने के बाद हर जनपद में मेडिकल कॉलेजों के निर्माण हो रहा है। हमारी सरकार जनहित के कार्यों को लगातार कर रही है।

उन्होंने कहा आज बृजकिशोर होम्योपैथिक मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य से अस्पताल में मरीजों को बेहतर सुविध्ा और छात्र–छात्राओं की पढ़ाई को लेकर विस्तृत चर्चा हुई।

कार्यस्थलों पर आंतरिक परिवार समिति का गठन अनिवार्य -15 दिनों में सूचना उपलब्ध कराने के निर्देश

अयोध्या। जिला प्रोबेशन अधिकारी जयपाल वर्मा ने जनपद के समस्त गैर सरकारी संस्थानों, निजी प्रतिष्ठानों, होटल, रेस्टोरेंट अस्पताल, अर्द्धसरकारी एवं सरकारी कार्यालयों, विद्यालयों, महाविद्यालयों, निगमों, उपक्रमों, बैंकों तथा मॉल संचालकों से कार्यस्थल पर महिलाओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए आंतरिक परिवार समिति का गठन अनिवार्य रूप से करने की अपील की है। उन्होंने बताया कि कार्यस्थल पर महिलाओं के लैंगिक उत्पीड़न (निवारण प्रतिपथि एवं प्रतितोष) अधिनियम–2013 के तहत ऐसे सभी संस्थान, जहां 1० या उससे अधिक कर्मचारी कार्यरत हैं, वहां आईसीसी का गठन किया जाना आवश्यक है। समिति की अध्यक्ष कार्यस्थल पर वरिष्ठ स्तर की महिला कर्मचारी होंगी। यदि किसी संस्था द्वारा समिति का गठन नहीं किया जाता है तो पहली बार 5०,0०0 तथा दूसरी बार 1,००,0०0 तक का जुर्माना लगाया जा सकता है। लगातार अनुपालन न करने की स्थिति का पंजीकरण भी निरस्त किए जाने की कार्रवाई की जा सकती है। जिला प्रोबेशन अधिकारी ने बताया कि जिन संस्थानों में अभी तक आईसीसी का गठन नहीं किया गया है, वे 15 दिनों के भीतर समिति का गठन सुनिश्चित करते हुए इसकी सूचना जिला प्रोबेशन कार्यालय को उपलब्ध कराएं। समिति को प्राप्त शिकायतों की निष्पक्ष जांच करने तथा आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करने का अधिकार होगा। प्रथम दृष्टया लैंगिक उत्पीड़न के प्रमाण मिलने पर संबंधित प्रकरण को सात दिनों के भीतर पुलिस को प्रेषित किया जाएगा। साथ ही समिति को सिविल न्यायालय के समान जांच संबंधी शक्तियां प्राप्त होंगी और जांच प्रक्रिया 90 दिनों के भीतर पूर्ण की जाएगी। उन्होंने सभी पात्र संस्थानों से अपील की है कि यदि आंतरिक परिवार समिति का गठन किया जा चुका है तो उसकी सूचना जिला प्रोबेशन कार्यालय को निर्धारित समुदायधि में उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें।

राजघाट उद्यान में बने सार्वजनिक शौचालय को चालू कराने की मांग

अयोध्या। परिक्रमा मार्ग का चौड़ीकरण किए जाने के वक्त राजकीय ऋषभदेव राजघाट उद्यान में परिक्रमा मार्ग के किनारे बने सार्वजनिक सुलभ शौचालय को तोड़कर गिरा दिया गया था उसकी जगह राजघाट उद्यान में एक सार्वजनिक सुलभ शौचालय व विश्रामगृह अयोध्या विकास प्राधिकरण द्वारा बनाया गया है जो लगभग एक साल से बन्द पड़ा है। परिक्रमा मार्ग से इस नवनिर्मित शौचालय तक जाने के लिए अभी तक कोई मार्ग

निर्मित नहीं किया गया है। इसी सुलभ शौचालय के बगल एक विश्राम स्थल भी बनाया गया है जो चारों तरफ से खुला हुआ है जिसमें विश्राम हेतु बैठने वाले लोगों पर बन्दरों का प्रकोप हो सकता है। इस क्षेत्र में दूस्–दूस् तक कहींभी अन्य सार्वजनिक शौचालय नहीं है जिसके कारण यात्रियों व स्थानीय नागरिकों को अपनी आवश्यकताओं की पूर्ति हेतु सुविधा नहीं मिल पा रही है। पूरे पार्क में कहीं भी दूसरे मूत्रालय की निर्मिति नहीं किया गया है। इसी सुलभ शौचालय के बगल एक विश्राम स्थल भी बनाया गया है जो चारों तरफ से खुला हुआ है जिसमें विश्राम हेतु बैठने वाले लोगों पर बन्दरों का प्रकोप हो सकता है। इस क्षेत्र में दूस्–दूस् तक कहींभी अन्य सार्वजनिक शौचालय नहीं है जिसके कारण यात्रियों व स्थानीय नागरिकों को अपनी आवश्यकताओं की पूर्ति हेतु सुविधा नहीं मिल पा रही है। पूरे पार्क में कहीं भी दूसरे मूत्रालय की

भी व्यवस्था नहीं है। अयोध्या नागरिक मंच की ओर से लगभग एक माह पूर्व जिला उद्यान अधिकारी से इस शौचालय को चालू करने की मांग की गई थी तब उन्होंने बताया कि इस सुलभ शौचालय का निर्माण अयोध्या विकास प्राधिकरण ने कराया है वही इसे चालू करा सकता है। आज अयोध्या नागरिक मंच के संयोजक एशो एन० बागी ने सचिव विकास प्राधिकरण के डेाटसएफ पर मैसंज भेजने के साथ–साथ दूरभाष के जरिए उनसे वार्ता करके इसे शीघ्रतिशीघ्र चालू कराने की मांग की है।

एनसीसी अनुशासन व राष्ट्रसेवा की सशक्त पाठशाला - डा. ज्ञानेंद्र प्रताप सिंह

अयोध्या। आचार्य नरेंद्र देव कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. ज्ञानेंद्र प्रताप सिंह ने बु्गवार को विश्वविद्यालय के एनसीसी कैंडेटों को बी एवं सी प्रमाण पत्र वितरित किए। इस अवसर पर उन्होंने सफल कैंडेटों को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं। कुलपति डॉ. ज्ञानेंद्र प्रताप सिंह ने कहा कि एन सीसी युवाओं में अनुशासन,नेतृत्व क्षमता,आत्मविश्वास और राष्ट्रसेवा की भावना विकसित करने का प्रभावी माध्यम है। उन्होंने कहा कि एनसीसी का प्रशिक्षण विद्यार्थियों को चुनौतियों का सामना करने, जिम्मेदार नागरिक बनने और देश की सेवा के लिए सदैव तत्पर रहने की प्रेरणा देता है। उन्होंने सभी कैंडेटों से जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए विश्वविद्यालय और देश का नाम रोशन कराने का आह्वान किया।इस वर्ष विश्व विद्यालय का एनसीसी परीक्षा परिणाम शत–प्रतिशत रहा। बी प्रमाण पत्र के लिए कुल 52 कैंडेट सफल घोषित किए गए, जबकि सी प्रमाण पत्र परीक्षा में 29 कैंडेट सफल रहे। बी सर्टिफिकेट कुल 52 लोगों को दिया गया जिसमें 34 छात्र एवं 18 छात्राएं शामिल रहीं।

आयुक्त मेरठ मंडल ने कावड़ यात्रा की तैयारियों के संबंध में संबंधित अधिकारियों के साथ की बैठक

मेरठ।

आज आयुक्त सभागार में आयुक्त मेरठ मंडल मेरठ भानु चन्द्र गोस्वामी की अध्यक्षता में कावड़ यात्रा–2०26 को सकुशल संपन्न कराये जाने हेतु तैयारियों के संबंध में बैठक आहूत की गई। बैठक में आयुक्त महोदय द्वारा संबंधित विभागो द्वारा कांवड़ यात्रा के संबंध में की गई तैयारियों की समीक्षा की गई। कांवड़ यात्रा के दृष्टिगत आयुक्त ने सख्त निर्देश देते हुये कहा कि 12 अगस्त 2026 तक समस्त अधिकारीधर्मचारी किसी भी दशा में मुख्यालय नहीं छोड़ेंगे। उन्होंने कहा कि कांवड़ मार्गों पर विशेषतः प्रमुख स्थानो पर साफ–सफाई की बारम्बारता सुनिश्चित की जाये। बाबा औघडनाथ मंदिर के आसपास पार्किंग की व्यवस्था सुनिश्चित कर ली जाये। उन्होंने निर्देशित किया कि कांवड़ यात्रा के दौरान निर्बाध विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित रहे। शिविरो में विद्युत कनेक्शन व विद्युत सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम हो। आंधीधर्षा के कारण जो पेड सडक पर गिर गये है उनको तत्काल हटया जाये। शिविरो में शुद्ध पेयजल, सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित की जायें। नगर क्षेत्र में घूम रहे गौवंशो को गौआश्रय स्थल व कांजी हाउस में भेजा जाये।उन्होने कांवड़ मार्ग पर सुरक्षा व्यवस्था, सीसीटीवी कैमरे, सार्निंग, साफ–सफाई, प्रकाश व्यवस्था, बैरिकेडिंग, सडक मरम्मतध्वंचवर्क, जल निकासी, पेयजल, स्ट्रीट लाईट, विद्युत खंभो को पालिथीन से कवर कराने, ट्रॉसफार्मर को जाली से कवर कराने, शौचालय, मोबाइल टॉयलेट, महिला कांवड़ियो की सुरक्षा, स्वास्थ्य शिविर, बाईक एम्बुलेन्स, गोलाखोर व मोटरबोट की व्यवस्था आदि व्यवस्थाओं के संबंध में आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिये।इस अवसर पर जिलाधिकारी डा0 वी०के0 सिंह, एसएसपी अविनाश पांडे, उपाध्यक्ष एमडीए संजय कुमार मीणा, नगर आयुक्त सोम गंगवार, डीएफओ वंदना फोगाट, अपर जिलाधिकारी नगर बृजेश सिंह सहित अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

12 सितम्बर को होगा राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन-प्र० सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण

मेरठ।प्र०सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण ने बताया कि उत्तर प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, लखनऊ के पत्र एवं राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण नई दिल्ली के निर्देशानुसार दिनांक 12 सितम्बर 2026 को राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किये जाने हेतु निर्देशित किया गया है।
उक्त के अनुपालन में माननीय जिला न्यायाधीशध्यध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, मेरठ के मार्गदर्शन में विभिन्न न्यायालयों में लम्बित (जोकि राष्ट्रीय न्यायिक डाटा ग्रिड पर अपलोड है) आपराधिक शमनीय वाद, धारा 138 पराक्रम्य लिखित अर्धि नियम, बैंक वसूली वादो, मोटर दुर्घटना प्रतिकर याचिकाएं, श्रम विवाद, जल व विद्युत बिल (अशमनीय वादों को छोडकर), वैवाहिक विवाद (विवाह विच्छेदध्तालाक को छोडकर), भूमि अधिग्रहण वाद, वेतन सम्बन्धित विवाद एवं सेवानिवृति लाभो से सम्बन्धित विवाद, राजस्व वादो (जनपद न्यायालय एवं माननीय उच्च न्यायालय में लम्बित मात्र), सिविल वादो (किराया, सुखाधिकार, व्वादेश, विशिष्ट अनुतोष आदी), प्रीलिटींगेशन वाद–सभी प्रकार के दीवानी व सुलह समझौते योग्य अपराधि।क शमनीय वादों का निस्तारण आपसी सुलह समझौते के आध्ाार पर किया जायेगा।

हरिद्वार में मिले मेरठ से लापता हुए छह छात्र, कावड़ लाने की प्लानिंग करके गए ये

मेरठ। भावनपुर थाना क्षेत्र से बृहस्पतिवार को ट्यूशन जाने को घर से निकले लापता हुए सभी छह छात्रों को पुलिस ने सकुशल हरिद्वार से बरामद कर लिया है। पृष्ठताछ में सामने आया कि परिवार के लोगों ने अनुमति नहीं दी तो कांवड़ लाने के लिए सभी छात्र प्लानिंग बनाकर घर से फरार हुए थे। शुक्रवार सुबह सभी छात्रों को पुलिस ने उनके परिजनों के सुपुर्द कर दिया।बताते चले कि ज्ञानकुंज कॉलोनी निवासी 16 वर्षीय बब्बल अपने 14 वर्षीय दोस्त कार्तिक, 14 वर्षीय आयुष, जयभीम नगर निवासी 17 वर्षीय अभिषेक, 16 वर्षीय संगीत चौहान और 15 वर्षीय देव सैनी के साथ ट्यूशन टीचर शिवम शर्मा के घर पर ट्यूशन पढ़ने गये थे। मगर ट्यूशन नहीं पहुंचे। छात्रों के लापता होने की जानकारी मिलने के बाद परिजनों में हड़कंप मच गया। देर रात परिवार के लोगों ने थाने में सभी छात्रों की गुमशुदगी दर्ज कराई थी। पुलिस ने आसपास लगे कैमरों की सीसीटीवी फुटेज देखी। जिसमें सभी छात्र एक टेंपो में सवार होकर जाते दिखाई दिए।उधर, हरिद्वार में कांवड़ लेने गए क्षेत्र के ही रहने वाले एक छात्र के पड़ोसी ने छात्र को हरिद्वार में घूमते देखा। इसके बाद मामले की जानकारी पुलिस को दी। पुलिस और परिवार के लोग हरिद्वार पहुंचे। जहां देर रात सभी छात्रों को बरामद कर लिया गया। पृष्ठताछ में छात्रों ने बताया कि उन्होंने अपने परिवार के लोगों से कांवड़ लाने के लिए हरिद्वार जाने की अनुमति मांगी थी। मगर, परिवार के लोगों ने मना कर दिया। जिसके बाद एक छात्र ने अपनी फीस के पांच हजार रुपए चुराए तो दूसरे छात्र ने अपने घर से कुछ चांदी के जेवरार। प्लानिंग बनाकर सभी छात्र कांवड़ लेने के लिए हरिद्वार चले गए। पुलिस ने छात्र के पास से घर से चुराई गई ज्वेलरी भी बरामद कर ली है। शुक्रवार सुबह सभी छात्रों को मेरठ लाकर परिवार के लोगों के सुपुर्द कर दिया गया।

रिश्तत मामला रईस अहमद की हाईकोर्ट में याचिका, CBI से जवाब तलब

मेरठ। केंद्रीय सरकारी स्वास्थ्य योजना (व्छ्भै) मेरठ में कथित 5० लाख रुपये रिश्तत मांगने के मामले में आरोपी बनाए गए शास्त्री नगर निवासी रईस अहमद ने इलाहाबाद हाईकोर्ट में याचिका दाखिल की है। मामले की सुनवाई करते हुए न्यायालय ने केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (व्ब्रो) से जवाब तलब किया है। मामले की अगली सुनवाई 14 अगस्त को होगी।याचिका के अनुसार, रईस अहमद पिछले करीब 25 वर्षो से डॉ. आशीष जैन के संस्थानों–जैएमसी मेडिकल सिटी, हाईफील्ड स्पेशलिटी हॉस्पिटल और जैन मेडिकल स्टोर, मेरठ में अकाउंटेंट के रूप में कार्यरत हैं। ये सभी संस्थान व्छ्भै के पैनल में सूचीबद्ध हैं। याचिकाकर्ता का कहना है कि अस्पताल के बिल और प्रशासनिक कार्यों के सिलसिले में वह डॉ. आशीष जैन के निर्देश पर व्छ्भै अधिकारियों के संपर्क में रहते थे। उनके अधिकांश सुनील चौधरी ने हाईकोर्ट में दलील दी कि 8 जुलाई 2025 को तत्कालीन एडिशनल डायरेक्टर डॉ. अजय कुमार और ऑफिस सुपरिटेण्डेंट लवलेश सोलंकी ने निरीक्षण में मिली कथित कमियों पर कार्रवाई न करने के बदले 5० लाख रुपये रिश्तत की मांग की थी।याचिका में कहा गया है कि अस्पताल के डायरेक्टर डॉ. आशीष जैन के निर्देश पर डायरेक्टर ऑपरेशन विशाल कुमार और रईस अहमद कथित तौर पर पांच लाख रुपये की पहली किस्त लेकर व्छ्भै कार्यालय पहुंचे थे। वहां कथित रूप से अगले दिन रकम लाने के लिए कहा गया।

अब मंजिल दूर नहीं, जल्द ही पृथक राज्य का सपना साकार होगा : राजा बुदेला

- कहा कि मैं आया हूं जगाने उठो जागो और बुदेलखंड राज्य मांगों

चित्रकूट । न मुझे वोट चाहिए न नोट चाहिए और न सपोर्ट चाहिए। मैं आया हूं आपको जगाने उठो जागो और स्वराज्य मांगों। पृथक बुंदेलखंड राज्य मांगों। जब तक बुंदेलखंड राज्य नहीं बनता हम पिछड़े उपेक्षित और बदहाल रहेंगे।यह बात बुंदेलखंड संयुक्त मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष फिल्म अभिनेता राजा बुंदेला ने बछरन के हरीमोहन सिंह इंटर कॉलेज में आयोजित गोष्ठी में व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि बुंदेलखंड प्रदेश का हमारे उसके पहले मुख्यमंत्री कामता प्रसाद सक्सेना थे लेकिन फिर उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश में बाँट दिया गया। उसी बुंदेलखंड की मांग कर रहे हैं और पांच करोड़ बुंदेलखंडियों की आवाज उठा रहे हैं। समस्या

नव दुर्गा पार्क से लाइट एंड साउंड शो तक, विंध्य क्षेत्र में विकसित होगा विश्वस्तरीय धार्मिक पर्यटन

मीरजापुर। पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने गुरुवार को पर्यटन, संस्कृति और धर्मार्थ कार्य विभाग की प्रस्तावित एवं निर्माणाधीन परियोजनाओं की समीक्षा करते हुए धार्मिक स्थलों के समग्र विकास, पर्यटक सुवि्ाओं के विस्तार और सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण पर विशेष जोर दिया। बैठक में वित्तीय वर्ष 2026–27 के लिए लगभग 48 करोड़ रुपये की अनुमानित लागत की 18 पर्यटन परियोजनाओं पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक में राज्यमंत्री समाज कल्याण संजीव गौड़, उपाध्यक्ष राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग सोहन लाल श्रीमाली, विधायक नगर रत्नाकर मिश्र, विधायक मडिहान रमाशंकर सिंह पटेल, विधायक चुनार अनुराग सिंह, विधायक मधवां सुविस्मिता मोर्षा, विधायक छानबे रंकि कोल, विधायक औराई दीनानाथ भारकर, विधायक ज्ञानपुर विपुल दूबे, जिलाध्यक्ष भाजपा लाल बहादुर एसजि, जिलाध्यक्ष राम दल (एस) इंजीनियर अपन लौटन बिन्द, मण्डलायुक्त राजेश प्रकाश, जिलाधिकारी पवन कुमार गंगवार बैठक में उपस्थित रहें तथा जिलाधिकारी सोनमद्र व भदोही विकास से बैठक में शामिल रहें। मिर्जापुर मंडल के लिए प्रस्तावित इन 18 पर्यटन

गर्भवती महिला की मौत पर लापरवाही का लगाया आरोप

चित्रकूट। सीएचसी में बुधवार की दोपहर को मऊ थाना क्षेत्र के आंबेडकर नगर मोहल्ला निवासी गर्भवती महिला सुनीता (30) की इलाज के दौरान मौत हो गई। परिजनों ने डाक्टर पर गलत इलाज करने और लापरवाही बरतने के आरोप लगाकर कार्रवाई की मांग करने लगे। पुलिस ने पोस्टमार्टम की रिपोर्ट के बाद आगे की कार्रवाई करने का आश्वासन दिया। दीपक कुंभार ने बताया कि उसकी पत्नी सुनीता दो माह की गर्भवती थी। पेटदर्द होने पर सीएचसी लेकर पहुंचे तो ज़्युटी में रही डाक्टर ने उसे तीन इंजेक्शन लगावाए। इसके बाद हालत बिगड़ी तो कई बार कहने पर भी डाक्टर मरीज को देखने नहीं आई। इससे वह सब मरीज को प्राइवेट अस्पताल लेकर गए। वहां से जवाब होने पर दुबारा सीएचसी पहुंचे तो महिला को डाक्टर ने मृत घोषित कर दिया। थाना प्रभारी श्रीप्रकाश यादव मौके पर पहुंचे और परजनों को समझाकर पोस्टमार्टम की रिपोर्ट के बाद कार्रवाई का आश्वासन दिया। इस संबंध में सीएचसी प्रभारी डा. हारुन ने बताया कि जानकारी पर डाक्टर से रिपोर्ट ली गई है। डाक्टर के अनुसार पहले तो महिला के गर्भवती होने की परिजनों ने जानकारी नहीं दी। बताए गए मर्ज के अनुसार पूरा इलाज सही किया गया है। लापरवाही के आरोप गलत हैं।

किशोर के साथ कुकर्म, बनाया वीडियो

चित्रकूट। मऊ थाना क्षेत्र के एक गांव में पुराने अस्पताल के भवन परिसर में दो युवक एक किशोर को बहला फुसला कर लेकर पहुंचे। आरोप है कि एक ने उसके साथ दुष्कर्म किया और दूसरे ने इसका वीडियो बनाया। इसके बाद किसी को बताने पर वीडियो प्रचलित करने की धमकी दी। एक गांव निवासी 14 वर्षीय किशोर ने बताया कि उसके ही गांव के दो युवक बुधवार की दोपहर को उसके सफ्र भूमने के बहाने गांव से बाहर तक आए। इसके बाद पुराने बंद पड़े अस्पताल के लिया। एक ने दुष्कर्म किया और दूसरे ने वीडियो बनाया है। घर पहुंचकर परिजनों को जानकारी दी। परिजन थाने में तहरीर दी। थाना प्रभारी श्रीप्रकाश यादव ने बताया कि दोनों आरोपितों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर पीड़ित का मेडिकल परीक्षण कराया जा रहा है।

ट्रेन की चपेट में आने से युवक की मौत

चित्रकूट। भरतकूप थाना क्षेत्र के पतौड़ा रेलवे लाइन के पास पटरी पार करते समय ट्रेन की चपेट में आने से युवक की मौत हो गई। बुधवार रात पुलिस को सूचना मिली कि एक युवक का शव पटरी पर पड़ा है। मौके पर पहुंची पुलिस ने स्थानीय लोगों की मदद से शिनाख्त कर परिजनों को सूचना दी।

रौली कल्याणपुर गडरियन पुरवा निवासी राम.पाल पाल ने बताया कि बेटा लवकुश (18) बुधवार सुबह बिना बताए घर से निकला था। शाम तक तलाश की, लेकिन पता नहीं चला। रात करीब 10 बजे पुलिस के फोन पर पहुंचे तो कपड़ों और चेहरे से पहचान हुई। थानाध्यक्ष विनोद राय ने बताया कि ग्रामीणों के अनुसार हादसा सुबह हुआ था। रेलवे से भी पुष्टि मिली। शव का पंचनामा कर पोस्टमार्टम कराया गया। लवकुश के पिता ट्रक में खलासी हैं। वह दो भाइयों में सबसे छोटा था।

युवती ने फांसी लगा की खुदकुशी

चित्रकूट। पहाड़ी थाना क्षेत्र के सकरौली गांव में ननिहाल के कार्यक्रम में न जा पाने से दुखी युवती ने फांसी लगाकर जान दे दी। घटना गुरुवार सुबह की है। गांव निवासी विकास कुमार ने बताया कि माता–पिता और छोटा भाई मंगलवार को नान्दिन गांव ननिहाल गए थे। छोटी बहन रानी देवी (18) किसी कारणवश रुक गई। बुधवार रात सामान्य रूप से खाना खाकर वह सो गई। गुरुवार सुबह लकी आशा ने काफी देर आवाज दी, जवाब न मिलने पर खिड़की से देखा तो वह साड़ी के फंदे से लपकी थी। दरवाजा तोड़कर नीचे उतारा गया, लेकिन तब तक मौत हो चुकी थी। एसओ निशिकांत राय ने बताया कि रानी ने एक साल पहले इंटर पास किया था। वह दो भाई–बहनों में सबसे छोटी थी। पिता कहेटा में सफाईकर्मी हैं।

सुभाष चंद्र मिश्र ने यात्रा का स्वागत किया। गोष्ठी में वक्ताओं ने पृथक राज्य क्यों विषय प्रणाम प्रकाश डाला। इस मौके पर यात्रा के संयोजक पूर्व विधायक दिनेश प्रसाद मिश्र, बुंदेली सेना के जिलाध्यक्ष अजीत सिंह, जयराम सिंह बछेरा बांदा, डा.आश्रय सिंह, दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष राजन धमेरिया, माकियू के राष्ट्रीय महासचिव प्रताप सिंह बुंदेला, बुंदेली समाज महोबा के अध्यक्ष ताराचंद्र पाटकर, विनोद पुरवार महोबा, देवदत्त वानर सेना बांदा के जय प्रकाश सिंह, शांती देवी इंटर कॉलेज के प्रबंधक सुनील पटेल समेत कई अन्य लोग मौजूद रहे।

परियोजनाओं में मिर्जापुर की 15, भदोही की 02 और सोनमद्र की ०

1 परियोजना शामिल हैं। इन परियोजनाओं का उद्देश्य प्रमुख धार्मिक स्थलों पर बुनियादी पर्यटन सुविधाओं का विकास कर श्रद्धालुओं और पर्यटकों को बेहतर अनुभव उपलब्ध कराना है। पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि पर्यटन विकास कार्य संबंधित स्थलों की ऐतिहासिक और सांस्कृतिक पहचान को संरक्षित रखते हुए समयबद्ध और गुणवत्तापूर्ण ढंग से पूरे किए जाएं। उन्होंने कहा कि एक करोड़ रुपये तक की परियोजनाओं को नवंबर 2026 तक और डेढ़ करोड़ रुपये तक की परियोजनाओं को छह माह के भीतर पूरा किया जाए। मिर्जापुर जनपद में सबसे अधिक 15 पर्यटन विकास प्रस्तावों की समीक्षा की गई। इनमें मिर्जापुर विधानसभा क्षेत्र के प्राचीन भगवान शंकर मंदिर, चुनार के शिव मंदिर तथा विंध्यचल क्षेत्र के शिवपुर स्थित रामेश्वर महादेव मंदिर सहित अन्य महत्वपूर्ण धार्मिक स्थलों के सौंदर्यीकरण और बुनियादी पर्यटन सुविधाओं के विकास के प्रस्ताव शामिल हैं। इन परियोजनाओं के माध्यम से धार्मिक पर्यटन को नई ऊंचाइयों

तक पहुंचाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है।

बैठक का प्रमुख आकर्षण मां विं

यवासिनी त्रिकोण मार्ग के विकास

का प्रस्ताव रहा, जिसके तहत

लगभग 25 करोड़ रुपये की

लागत से विभिन्न पर्यटन

परियोजनाएं प्रस्तावित की गई

हैं। इनमें नव–दुर्गा पार्क का

निर्माण, लाइट एंड साउंड शो,

दूरिस्ट फैसिलिटेशन सेंटर और

श्रद्धालुओं के लिए अन्य आधुनिक

सुविधाओं का विकास शामिल है। यह परियोजना उत्तर प्रदेश के प्रमुख शक्तिपीठों में शामिल मां विंध्यवासिनी धाम में आने वाले श्रद्धालुओं और पर्यटकों को विश्वस्तरीय अनुभव प्रदान करने की दिशा में महत्वपूर्ण साबित होगी। भदोही जनपद में दो पर्यटन परियोजनाओं की समीक्षा की गई। इनमें ज्ञानपुर विधानसभा क्षेत्र के प्राचीन दशरहा मिला स्थल तथा भदोही विधानसभा क्षेत्र के सीतामढी धाम के सौंदर्यीकरण और बुनियादी पर्यटन सुविधाओं के विकास का प्रस्ताव शामिल हैं। वहीं सोनमद्र जनपद में ओबरा स्थित शिव मंदिर के पर्यटन विकास और पर्यटक सुवि्ाओं के विस्तार का प्रस्ताव प्रस्तुत किया गया।

मारपीट के मामले में सात अभियुक्तों को हुई सजा

चित्रकूट । एकराय होकर घातक हथियारों से हमला करने, मारपीट, गालीगलौज व जान से मारने की ६।मकी देने के मामले में दोष सिद्ध होने पर न्यायालय ने सात अभियुक्तों को 2–2 वर्ष का सश्रम कारावास व कुल 49 हजार रुपये के अर्थदण्ड से दण्डित किया है।छपर शासकीय अदि।मिश्रा निवासी महावीर नगर कस्बा

मीरजापुर में भीषण सड़क हादसा अनियंत्रित कटेनर ने घर में सौ रहे पिता-पुत्र को रौंदा, दोनों की मौके पर मौत

मीरजापुर। विंध्याचल थाना क्षेत्र अंतर्गत गैपुरा में गुरुवार सुबह रहे सीमेंट कंटेनर सड़क हादसे में अनियंत्रित कंटेनर सड़क किनारे सो रहे पिता–पुत्र को रौंदते हुए मकान में जा घुसा। हादसे में दोनों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि मकान भी क्षतिग्रस्त हो गया। घटना के बाद क्षेत्र में अफरा–तफरी मच गई। ग्रामीणों का आरोप है कि ड्रिवाइडर पर इंडिकेटर व पर्याप्त सुरक्षा व्यवस्था न होने के कारण यह हादसा हुआ। सूचना पर पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी भारी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचकर जांच में जुट गए हैं।

जानकारी के मुताबिक गुरुवार, 30 जुलाई 2026 को भोर में तकरीबन 3 बजे थाना विन्ध्याचल के पुलिस चौकी गैपुरा

राहुल का पुतला फूंकना बीजेपी के हताशा को दर्शाता है कांग्रेस

मीरजापुर। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी व विपक्ष के नेताओं का पुतला भारतीय जनता पार्टी के नेताओं द्वारा पुलिस प्रशासन की उपस्थिति में फूँके जाने का आरोप लगाते हुए जिला मुख्यालय पर धरना जारी करते हुए बीजेपी नेताओं को निशाने पर रखा है। कलेक्ट्रेट में धरना–प्रदर्शन करते हुए कांग्रेस नेताओं ने आरोप लगाया कि भारतीय जनता पार्टी के नेताओं द्वारा नगर के संकट मोचन हनुमान मंदिर तिराहे पर पुलिस प्रशासन की उपस्थिति में पिछले दिनों लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांी का व विपक्ष के नेताओं का पुतला भारतीय जनता पार्टी के लोगों द्वारा अमद्रता पूर्ण तरीके से जलाना व उसके साथ दुर्घ्यवहार करना बहुत दुर्भाग्यपूर्ण है। कहा राहुल गांधी का कुसूर क्या था जो इन लोगों ने इस

समाजसेवी ने हरी झंडी दिखाकर स्कूल बस को किया खाना, ग्रामीण क्षेत्र के बच्चों को मिलेगी सहुलियत

मीरजापुर। जिले के लालगंज तहसील क्षेत्र के कोटा घाट स्थित यूओ कान्वेंट स्कूल गुरुकुलम में गुरुवार को आयोजित समारोह में प्रदेश युवा कांग्रेस कमेटी के महासचिव एवं समाजसेवी अनुराग मिश्रा ने विधि–विधान से पूजन के बाद विद्यालय की नई स्कूल बस को हरी झंडी दिखाकर बरौंदा रूट के लिए खाना किया। इस दौरान विद्यालय की नई बैंड टीम का भी शुभारंभ किया गया, जिसे लेकर बच्चों में खासा उत्साह देखने को मिला। समारोह के दौरान अनुराग मिश्रा ने नन्हे विद्यार्थियों

स्वास्थ्य केन्द्र लालगंज के अधीक्षक बने डर मनोज कुमार

मीरजापुर। स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर बनाने के क्रम मेंसामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र लालगंज के अधीक्षक पद पर डॉक्टर मनोज कुमार सिंह पटेल को तैनात किया गया है। इस दौरान पूर्व अधीक्षक डॉक्टर संजय सिंह ने अपना कार्यभार देकर उनको बधाई दी। अधीक्षक पद पर तैनात किए जाने के बाद डॉ मनोज कुमार सिंह पटेल ने कहा कि स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर बनाने के साथ ग्रामीण क्षेत्र की जनता सुगम स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध ा कराना उनका लक्ष्य होगा। इस दौरान स्वास्थ्य केंद्र के समस्त कर्मचारियों ने कार्यभार ग्रहण करने पर बुके भेंट कर उनका स्वागत किया। इस अवसर पर बधाई देने वालों में डॉक्टर अमर बहादुर सिंह, डॉ कैलाश कुमार बिद, डॉ योगेश दुबे, डॉ पंकज, डॉ राजेश सिंह, डॉ अशोक यादव, डॉ मनिंदर सिंह, डॉ एसपी सिंह, , नासिर खान आदि लोग उपस्थित रहे हैं।

यात्रियों से भरी बस ड्रिवाइडर से टकराई, नौ घायल, तीन रेफर

चित्रकूट। मप्र परिवहन से अनुबंधित सागर डिपो की बस के गई। हादसा झांसी–मीरजापुर हाईवे पर खोह गांव के पास करीब सात बजे हुआ। प्रयागराज निवासी भगवानदीन जायसवाल ने बताया कि चालक बस चलाते समय चाय पी रहा था। संतुलन बिगड़ने से बस ड्रिवाइडर से जा टकराई। हादसे के बाद चीखपुकार मच गई। चालक मौके से फरार हो गया। कोतवाल दुर्गमिण्डय सिंह ने पुलिस और यूपी 112 टीम के साथ घायलों को जिला अस्पताल पहुंचाया। राधेश्याम, राजेश कुमार और राजू विश्वकर्मा की हालत गंभीर होने पर प्रयागराज मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया। बस हटवाकर यातायात सुचारु किया गया। अन्य यात्रियों को दूसरी बस से भेजा गया। पुलिस चालक की तलाश कर रही है। घायलों में रामकुमारी (39) निवासी नयागढ़ जिला दमोह मप्र, राजू विश्वकर्मा (45) निवासी मझौला जिला सागर, राजेश कुमार (30) निवासी संदीपन घाट जिला कौशांबी, राधेश्याम (35), सुंदरलाल (42), विद्यासागर (43) निवासीगुण छतरपुर, संदीप गुप्ता (41) निवासी कर्मी चित्रकूट, मनोज कुमार (45) निवासी बांदा, बच्चूलाल (46) निवासी कर्मी हैं।

होने पर न्यायालय एससजे एफटीसी अनुराग कुरील ने अभियुक्त आशू पुत्र मुन्ना उर्फ अद्धा, अक़रम खान पुत्र मुन्ना उर्फ अद्धा, इरशाद पुत्र रशीद, भूरा उर्फ इम्तियाज पुत्र इरशाद, इरफान पुत्र लाली खां खुशीद अहमद पुत्र कुल्ली पुत्र अब्दुल अजीज व जुंझर पुत्र जहीर निवासीगुण मानिकपुर को 2–2 वर्ष का कारावास व प्रत्येक को 7–7 हजार रुपये के अर्थदण्ड से दण्डित किया है।

अभियोग पंजीकृत कर तथा सम्बन्धित वाहन को कब्जे में लेकर अग्रिम विधिक कार्यवाही की जा है। मौके पर क्षेत्राधिकारी नगर, उपजिलाधिकारी सदर मय पर्याप्त पुलिस बल के साथ मौजूद है। वहीं दूसरी ओर दुर्घटना के बाद मौके पर सैकड़ों की संख्या में जुटे ग्रामीणों के आक्रोश को देखते हुए मौके पर आस–पास के थानों की पुलिस फोर्स बुला लिया गया था वहीं हादसे की खच्बर होने पर मौके पर पहुंचे राष्ट्रवादी मंच के संयोजक मनोज श्रीवास्तव ने मृतक के परिजनों को धैर्य बंधाते हुए उनके साथ खड़े होने का आश्वासन देते हुए मृतक परिवार को जिला प्रशासन द्वारा 50 लाख का मुआवजा मिले ।

के आधार पर समुचित धाराओं में अभियोग पंजीकृत कर तथा सम्बन्धित वाहन को कब्जे में लेकर अग्रिम विधिक कार्यवाही की जा है। मौके पर क्षेत्राधिकारी नगर, उपजिलाधिकारी सदर मय पर्याप्त पुलिस बल के साथ मौजूद है। वहीं दूसरी ओर दुर्घटना के बाद मौके पर सैकड़ों की संख्या में जुटे ग्रामीणों के आक्रोश को देखते हुए मौके पर आस–पास के थानों की पुलिस फोर्स बुला लिया गया था वहीं हादसे की खच्बर होने पर मौके पर पहुंचे राष्ट्रवादी मंच के संयोजक मनोज श्रीवास्तव ने मृतक के परिजनों को धैर्य बंधाते हुए उनके साथ खड़े होने का आश्वासन देते हुए मृतक परिवार को जिला प्रशासन द्वारा 50 लाख का मुआवजा मिले ।

मोहल्ले में गलियों में सफाई तक नहीं करवा पाते हैं, ऐसे लोग भी देश के लिए लड़ने वाले जननायक का पुतला जलाने का काम किए हैं हम लोग इसका घोर विरोध करते हैं और यह मांग करते हैं की इन लोगों पर तत्काल मुकदमा लिखा जाए और नहीं तो कांग्रेस पार्टी का कार्यकर्ता धरना–प्रदर्शन अनशन भी करने के लिए बाध्य होगा।इस दौरान जिला प्रशासन को ज्ञापन सौंपकर अविलंब पुतला फूंकने वालों पर मुकध्दमा दर्ज करने की मांग करते हुए चेतावनी दी है कि यह लड़ाई जारी रहेगी। इस दौरान पूर्व विधायक भगवती प्रसाद चौधरी, कांग्रेस जिलाध्यक्ष शिवकुमार पटेल, मनोप दुबे, विधि सिंह, छोटे खान, इत्यादि प्रमुख कांग्रेस कार्यकर्ता एवं पदाधिकारी मौजूद रहे हैं।

हर-हर महादेव के जयकारों से गूँजे शिवालय

चित्रकूट। सावन माह के पहले दिन शिव मंदिरों में शिव भक्तों का हुजूम सवेरे से देखने को मिला। मत्स्यगेज्न्दनाथ मंदिर में शिव जलामिषेक करने को तड़के से शिव भक्त कतार में लगे रहे। सुस्खा व्यवस्था के लिए भारी पुलिस बल मौजूद रहा।गुरुवार को सावन के प्रथम दिन मत्स्यगेज्न्दनाथ मंदिर में शिव जलामिषेक करने के पूर्व श्रद्धालुओं ने मंदाकिनी में स्नान किया। इसके बाद बेल पत्र, अक्षत, चंदन लेकर कतार में खड़े देखे गए। जलामिषेक के बाद कामतानाथ मंदिर में मत्था टेक कामदगिरि की परिक्रमा लगाई। शिवालय बम बम भोले के जयकारों से गूँज उठे। इसी कम में जिले के चर सोमनाथ मंदिर, पालेश्वरनाथ मंदिर पहाड़ी, मड़फा मंदिर आदि प्रसिद्ध शिवालयों में श्रद्धालुओं ने पहुंचकर जलामिषेक किया। घरों में लोगों ने पार्थिव शिवलिंग बनाकर रुद्रामिषेक किया। ओम नमः शिवाय की गूँज मंदिरों में दिनभर गुंजायमान रही।

सरकारी स्वास्थ्य सेवाओं पर बढ़ा आमजन का भरोसा

चित्रकूट। डीएम के मार्गदर्शन में जनपद के संयुक्त जिला चिकित्सालय सहित जिले के समस्त सरकारी अस्पतालों में स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता, स्वच्छता और सुचारु व्यवस्था का सकारात्मक असर जमीनी स्तर पर देखने को मिल रहा है। अस्पतालों में बेहतर होती सुविधाओं और चिकित्सकों की समर्पण भावना के चलते सरकारी स्वास्थ्य प्रणाली पर आम जनता का हो रहा है।हालही में जारी स्वास्थ्य आंकड़ों के अनुसार पिछले एक वर्ष की अवधि की तुलना में इस वर्ष जून महीने तक अस्पताल के बाह्य रोगी विभाग में ‘50 हजार से अधिक’ मरीजों की उल्लेखनीय बढ़ोतरी दर्ज की गई है। इसके साथ ही गंभीर बीमारियों के इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती होने वाले मरीजों यानी ‘आंतरिक रोगी विभाग के आँकड़ों में भी ‘1,771 मरीजों की बढ़ी वृद्धि’ हुई है। अस्पताल परिसर में साफ सफाई, शुद्ध पेयजल, बैठने की उत्तम व्यवस्था, दवाओं की निर्बाध उपलब्धता और आधुनिक जॉच सुविधाओं को प्राथमिकता दी जा रही है। जिले के सामुदायिक एवं प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों में भी मरीजों को समय पर सुलभ व पारदर्शी इलाज मिल रहा है। स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों का कहना है कि प्रशासन का मुख्य उद्देश्य जिले के हर नागरिक तक बेहतर से बेहतर चिकित्सा सुविधा पहुँचाना है। जनता अब निजी अस्पतालों के बजाय सरकारी अस्पतालों की स्वास्थ्य सेवाओं को प्राथमिकता दे रही है।

विश्वकर्मा पोर्टल पर हों सड़कों की मैपिंग एवं सूचनाओं की फीडिंग : डीएम

चित्रकूट। मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से मार्ग निर्माण संबंधी विभागों द्वारा विश्वकर्मा पोर्टल को अपनाए जाने संबंधी दिए गए निर्देशों के क्रम में जिले के समस्त सड़क निर्माण विभागों एवं कार्यदायी संस्थाओं की बैठक डीएम पुलकित गर्ग की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित की गई।

बैठक में जीआईएस आधारित सड़क सूचना प्रणाली के लिए जनपद में विभिन्न सड़क निर्माण एजेंसियों द्वारा निर्मित समस्त मार्गों का एकीट डेटाबेस तैयार करने तथा विभिन्न विभागों के अभिलेखों में विद्यमान विसंगतियों को दूर करने के संबंध में विस्तृत समीक्षा की गई। डीएम ने निर्देश दिए कि सड़कों की मैपिंग पूर्ण होने के उपरांत किसी भी मार्ग के नवनिर्माण, चौड़ीकरण, सु-ड्रीकरण, नवीनीकरण अथवा अन्य किसी भी प्रकार के निर्माण कार्य की प्रशासनिक एवं वित्तीय स्वी.ति प्राप्त करने के लिए संबंधित मार्ग का रोड कोड सहित विश्वकर्मा पोर्टल पर मैपिंग होना अनिवार्य होगा।

उन्होंने कहा कि जीआईएस आधारित एकी.त सड़क सूचना प्रणाली लागू होने से सभी विभागों के कार्यों में पारदर्शिता आएगी तथा उपलब्ध संसाधनों एवं धनराशि का समुचित एवं प्रभावी उपयोग सुनिश्चित किया जा सकेगा। साथ ही मार्गों के नियोजन, रखरखाव, उन्नयन एवं प्रबंधन की प्रक्रिया अधिक सुव्यवस्थित और दक्ष होगी। डीएम ने कहा कि एकीट डेटाबेस उपलब्ध होने से विभिन्न विभागों द्वारा एक ही सड़क पर दोहरी स्वी.ति जारी होने की संभावना पूर्णतः समाप्त हो जाएगी तथा विकास कार्यों के क्रियान्वयन में समन्यय एवं उत्तरदायित्व भी सुनिश्चित होगा। उन्होंने सभी संबंधित विभागों को निर्देशित किया कि निर्धारित समयसीमा के भीतर सड़कों की मैपिंग एवं आवश्यक सूचनाओं का शत प्रतिशत अंकन विश्वकर्मा पोर्टल पर सुनिश्चित करते हुए कार्य में किसी प्रकार की शिथिलता न बरती जाए। बैठक में अधिशासी अभियन्ता उत्तर प्रदेश एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण जनपद बांदा, परियोजना निदेशक, एनएचएआई जनपद प्रयागराज, अधिशासी अभियन्ता राष्ट्रीय मार्ग खण्ड सहित संबंधित अधिकारी मौजूद रहे।

अटल पार्क में 15 स्थानों पर सीसीटीवी कैमरे स्थापित

चित्रकूट। नागरिकों की सुरक्षा एवं सार्वजनिक स्थलों पर प्रभावी निगरानी व्यवस्था सुनिश्चित करने के उद्देश्य से नगर पालिका परिषद कर्मी ने अटल पार्क कोठी तालाब परिसर में 15 विभिन्न सवेदनशील स्थानों पर उच्च क्षमता वाले सीसीटीवी कैमरे स्थापित किए हैं। पूर्व में अटल पार्क के निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी पुनर्कित गर्ग द्वारा पार्क परिसर में सुरक्षा व्यवस्था किए जाने के निर्देश दिए गए थे। इसी कम में पार्क परिसर में आधुनिक सर्विलांस प्रणाली विधेसित की गई है। सीसीटीवी कैमरों के प्रभावी एवं निर्बाध संचालन के लिए अटल पार्क परिसर स्थित कक्ष में एक एकी.त कंट्रोल रूम भी स्थापित किया गया है। जिला प्रशासन ने विश्वास व्यक्त किया है कि इस पहल से अटल पार्क में आने वाले नागरिकों को अधिक सुरक्षित एवं व्यवस्थित वातावरण उपलब्ध होगा।

निर्माणाधीन पुलिस मल्टीपरपज बिल्डिंग का एसपी ने किया निरीक्षण

चित्रकूट। एसपी अरुण कुमार सिंह ने सीओ मऊ फहद अली क्षेत्रान्तर्गत चौकी हरदीकलां में निर्माणाधीन पुलिस आवास एवं ग्राम कल्चिहा में उत्तर प्रदेश राजकीय निर्माण निगम द्वारा निर्माणाधीन पुलिस मल्टीपरपज बिल्डिंग का स्थलीय निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान पुलिस अधीक्षक ने निर्माण कार्य की गुणवत्ता, प्रगति एवं निर्धारित मानकों का गहन अवलोकन किया तथा संबंधित अधिकारियों एवं कार्यदायी संस्था के प्रतिनिधियों को निर्माण कार्य निर्धारित समयसीमा के भीतर उच्च गुणवत्ता के साथ पूर्ण कराने के निर्देश दिए। उन्होंने निर्माण सामग्री की गुणवत्ता बनाए रखने तथा कार्य में किसी प्रकार की लापरवाही न बरतने के लिए भी निर्देशित किया।

पाकिस्तान को बड़ा झटका! शान मसूद चोटिल, वेस्टइंडीज में बराबरी की उम्मीदेें धूमिल

शान मसूद उंगली की चोट के कारण वेस्टइंडीज के खिलाफ पाकिस्तान के दूसरे टेस्ट से बाहर हो गए हैं, जिससे सीरीज बराबर करने की टीम की उम्मीदों को गहरा झटका लगा है। पहले टेस्ट के दौरान घायल हुए मसूद का इंग्लैंड के खिलाफ आगामी टेस्ट सीरीज में खेलना भी अनिश्चित है, जो पाकिस्तान क्रिकेट टीम की बल्लेबाजी चिंताओं को बढ़ा रहा है। पीसीबी अब मसूद की जगह लेने के लिए संभावित विकल्पों पर विचार कर रहा है, जिसमें अब्दुल्ला शफीक और सऊद शकील प्रमुख हैं। उंगली में चोट के कारण बल्लेबाज शान मसूद वेस्टइंडीज के खिलाफ पाकिस्तान का दूसरा टेस्ट मैच नहीं खेल पाएंगे, जिससे सीरीज बराबर करने की टीम की उम्मीदों पर असर पड़ेगा। मसूद त्रिनिदाद में खेले गए पहले टेस्ट मैच के दौरान घायल हो गए थेय पाकिस्तान की पहली पारी में जेडेन सील्स

स्टीफन फ्लेमिंग इंग्लैंड की टेस्ट टीम के अगले हेड कोच बन सकते हैं

चेन्नई सुपर किंग्स के पूर्व हेड कोच स्टीफन फ्लेमिंग इंग्लैंड की टेस्ट टीम के अगले हेड कोच के लिए प्रमुख दावेदार के तौर पर उभरे हैं। ब्रेंडन मैकुलम की जगह लेने के लिए पसंदीदा, फ्लेमिंग ने सीएसके को पाँच आईपीएल खिताब जिताए हैं और अब इंग्लैंड क्रिकेट टीम के पुनरुत्थान में अपनी विशेषज्ञता लाने को तैयार हैं। चेन्नई सुपर किंग्स के पूर्व हेड कोच स्टीफन फ्लेमिंग, इंग्लैंड की टेस्ट टीम के हेड कोच के तौर पर ब्रेंडन मैकुलम की जगह लेने के लिए सबसे पसंदीदा उम्मीदवार हैं। स्टीफन फ्लेमिंग ने षेा के हेड कोच का पद छोड़ दिया है, जिस पर वे 2009 से बने हुए थे और इस तरह फ्रैंचाइजी के साथ उनका 18 साल

टीम इण्डिया में बदलाव की लहर मोहम्मद शमी की छुट्टी! अजित अग्रकर ने 15 युवा तेज गेंदबाजों के साथ बनाई नई योजना

मोहम्मद शमी के घरेलू क्रिकेट में शानदार प्रदर्शन के बावजूद उन्हें टीम से बाहर रखना यह साबित करता है कि भारतीय चयनकर्ता अब 2027 के दृष्टिकोण से एक नया गेंदबाजी ढांचा खड़ा करना चाहते हैं। अजीत अगरकर की अध्यक्षता वाली समिति द्वारा युवाओं को निरंतर मौके देना और शमी को योजना से बाहर रखना टीम इंडिया के तेज गेंदबाजी आक्रमण के भविष्य की नई दिशा तय कर रहा है। कीवर्ड्सरु मोहम्मद शमी टेस्ट क्रिकेट, टीम इंडिया, क्रिकेट समाचार, युवा गेंदबाज, बीसीसीआई भारतीय क्रिकेट टीम में बदलाव का दौर अब तेज होता दिखाई दे रहा है। श्रीलंका के खिलाफ घोषित टेस्ट टीम में अनुभवी तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी को जगह नहीं मिलने के बाद यह चर्चा शुरू हो गई है कि क्या अब चयनकर्ता भविष्य की योजनाओं के तहत नई पीढ़ी के गेंदबाजों पर पूरी तरह भरोसा करना चाहते हैं। मौजूद जानकारी के अनुसार, टीम प्रबंधन और चयन समिति अब आने वाले वर्षों की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए नई रणनीति पर काम कर रही है।बैतबा द है कि मोहम्मद शमी ने टीम में वापसी के लिए हर संभव प्रयास किया था। टीम से

इंडिगो 2030 में नई पीढ़ी के विमानों का आकलन कर नए आर्डर पर फैसला करेगी -राहुल भाटिया

नयी दिल्ली, देश की सबसे बड़ी विमान कंपनी इंडिगा के प्रबंध निदेशक राहुल भाटिया ने कहा कि कंपनी नई पीढ़ी के विमानों के विकास का आकलन करने के बाद वर्ष 2030 में अपने नए विमानों के ऑर्डर पर फैसला करेगी। उन्होंने बताया कि कंपनी नई प्रौद्योगिकी को शुरूआती दौर में अपनावा चाहती है ताकि उद्योग की लागत संरचना बेहतर हो सके और पर्यावरण के लिहाज से अधिाक अनुकूल विमान सेवा बन सके। (फाइल फोटो के साथ) नयी दिल्ली, 31 जुलाई देश की सबसे बड़ी विमानन कंपनी इंडिगो के प्रबंध निदेशक राहुल भाटिया ने

में 19 अगस्त से इंग्लैंड के खिलाफ शुरू होने वाले पहले पारियों में 31.06 की औसत



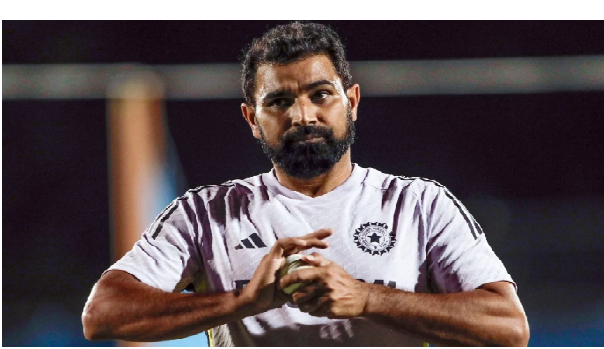
टेस्ट मैच में उनका खेलना, उनके ठीक होने और मेडिकल प्रोग्रेस पर निर्भर करेगा। इस बीच, वह टीम के साथ ही रहेंगे। पहले टेस्ट मैच के बाद पाकिस्तान की बैटिंग की आलोचना हुई थी। दूसरे मैच के लिए मसूद की जगह लेने या जरूरत पड़ने पर दूसरे बदलाव करने के लिए सेलेक्टरों के पास तीन उम्मीदवार हैं।

नॉटिंघमशायर जैसी काउंटी टीमों के लिए खेल चुके हैं। अभी यह



पक्का नहीं है कि फ्लेमिंग पाकिस्तान के खिलाफ इंग्लैंड की आने वाली टेस्ट सीरीज के लिए जिम्मेदारी संभालेंगे या नहीं। फिलहाल, अरिस्टेंट कोच मार्कस ट्रेकोथिक इस सीरीज के लिए अंतरिम हेड कोच के तौर पर टीम की कमान संभाल सकते

काम इंग्लिश टीम में नई जान फूंकना होगा, क्योंकि टीम को हाल ही में भारत के खिलाफ सीरीज 2–2 से ड्रॉ, एशेज में 4–1 से करारी हार और न्यूजीलैंड के खिलाफ सीरीज में 2–1 से हार का सामना करना पड़ा है।



पर अधिक जोर दिया जा रहा है।हालांकि तेज गेंदबाजी विभाग में जसप्रीत बुमराह की भूमिका पहले की तरह सबसे महत्वपूर्ण बनी रहेगी। वह भारतीय आक्रमण के प्रमुख गेंदबाज हैं, लेकिन उनकी फिटनेस और कार्यभार है। ऐसे में आने वाले समय में श्रृंखला या हर मुकाबले में खिलाना संभव नहीं माना जा रहा है। ऐसे में चयनकर्ता बुमराह के साथ ऐसे गेंदबाज तैयार करना चाहते हैं जो लंबे समय तक लगातार जिम्मेदारी संभाल सकें।कई क्रिकेट विशेषज्ञों का मानना है कि मोहम्मद शमी का अनुभव इस बदलाव के दौर में भारतीय टीम के काफी काम आ

सचिन तेंदुलकर ने रहाणे के संन्यास पर मेजा भावुक सदेश, करियर की सराहना की

दिग्गज क्रिकेटर सचिन तेंदुलकर ने गुरुवार को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास की घोषणा के बाद अजिंक्य रहाणे को हार्दिक श्रद्धांजलि दी। उन्होंने मैदान पर रहाणे के संयम, लचीलेपन और शांत उपस्थिति की सराहना करते हुए उनके करियर को शानदार बताया। तेंदुलकर ने ऑस्ट्रेलिया में रहाणे के नेतृत्व और शानदार प्रदर्शन को भी याद किया। दिग्गज क्रिकेटर सचिन तेंदुलकर ने गुरुवार को अनुभवी बल्लेबाज अजिंक्य रहाणे द्वारा अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास की घोषणा के बाद उन्हें हार्दिक श्रद्धांजलि दी।रहाणे के करियर पर सचिन का संदेश रहाणे को भविष्य के लिए शुभकामनाएं देते हुए सचिन तेंदुलकर ने मैदान पर उनके संयम, लचीलेपन और शांत उपस्थिति की प्रशंसा की।एक्स (पूर्व में दिवटर) पर एक पोस्ट में, श्मास्टर ब्लास्टर ने लिखा, अजिंक्य रहाणे, एक शानदार करियर के लिए ब्ाई। जब हमने पहली बार मुंबई के लिए एक साथ बल्लेबाजी की थी, मैंने देखा कि एक खिलाड़ी जो पलों का पीछा नहीं करता,

उनका औसत 38.46 और स्ट्राइक रेट 49.50 रहा। वनडे में, उन्होंने 90 मैच और 87 पारियों में 2,962



रन बनाए, जिसमें 3 शतक और 24 अर्धशतक शामिल थे, उनका औसत 35.26 और स्ट्राइक रेट 78.63 रहा। टी20 में, उन्होंने 20 मैच और 20 पारियां खेलीं, जिसमें उन्होंने 375 रन बनाए, कोई शतक नहीं और एक अर्धशतक, उनका औसत 20.83 और स्ट्राइक रेट 113.29 रहा। रहाणे का टेस्ट कप्तानी का रिकॉर्ड नाबाद रहा, जिसमें चार जीत और दो ड्रॉ शामिल

अजिंक्य रहाणे ने 38 साल की उम्र में इंटरनेशनल क्रिकेट से लिया संन्यास

अनुभवी भारतीय बल्लेबाज अजिंक्य रहाणे ने 38 साल की उम्र में इंटरनेशनल क्रिकेट से संन्यास का ऐलान किया है। उन्होंने अपने फैंस के लिए सोशल मीडिया पर एक भावुक नोट साझा करते हुए कहा कि अब उनके लिए आगे बढ़ने का सही समय आ गया है और वे खेल से जुड़े रहना चाहते हैं। भारत के अनुभवी बल्लेबाज अजिंक्य रहाणे ने इंटरनेशनल क्रिकेट से संन्यास का ऐलान कर दिया है। उन्होंने सोशल मीडिया पर अपने फैंस के लिए एक भावुक संदेश शेयर करके इस फैसले की आधिकारिक घोषणा की। 38 साल की उम्र में रहाणे ने अपने शानदार इंटरनेशनल क्रिकेट करियर को अलविदा कह दिया। अनुभवी बल्लेबाज ने सोशल मीडिया पर फैंस के साथ एक संदेश शेयर किया, जिसमें वे भावुक नजर आए। उन्होंने भारतीय टीम

हमेशा अपनी बैटिंग में टाइमिंग पर भरोसा किया है और हमेशा



इसके महत्व को समझा है। आज, मुझे लगता है कि मेरे लिए आगे बढ़ने और इंटरनेशनल क्रिकेट के सभी फॉर्मेट से रिटायरमेंट की घोषणा करने का सही समय आ गया है। डोम्बिवली से एक युवा लड़के के तौर पर सिर्फ प्रैक्टिस के लिए सफर करने के शुरूआती दिनों से ही, मैंने इस खेल को अपना

माने जाने वाले रहाणे ने जब भी टीम इंडिया का प्रतिनिधित्व करने का मौका मिला, तो निस्संदेह अपना सब कुछ झोंक दिया। अपने करियर के दौरान, 38 वर्षीय खिलाड़ी ने कुल 85 टेस्ट, 90 वनडे और 20 ्य20 मैच खेले। इन 195 मैचों में रहाणे ने कुल 8,414 रन बनाए,

खुशी से गदगद सारांश जैन इण्डिय टेस्ट टीम में चुने जाने पर बोले इंदौर को गौरवान्वित करेंगे

गया था।मध्य प्रदेश के 33 वर्षीय ऑलराउंडर सारांश जैन बाएं हाथ के

शानिवल किया गया है। इंदौर के इस 33 वर्षीय खिलाड़ी ने अपने गृहनगर का नाम रोशन करने का संकल्प लिया है, जहां उन्हें मंदिरों के बीच यात्रा करते समय अपने चयन की खबर मिली। यह चयन उनके फर्स्ट-क्लास क्रिकेट के शानदार प्रदर्शन को मान्यता देता है। सारांश जैन, जिन्हें अगस्त में श्रीलंका के खिलाफ दो मैचों की सीरीज के लिए भारतीय पुरुष टेस्ट टीम में पहली बार चुना गया था, ने इस चयन पर खुशी जाहिर की और कहा कि वह अपने शहर इंदौर का नाम रोशन करने के लिए पूरी तरह तैयार हैं।स्पिन गेंदबाजी के ऑलराउंडर वांशिंगटन सुंदर के हैमस्ट्रिंग में चोट लगने के कारण पहले टेस्ट से बाहर होने के बाद सारांश जैन को टीम में शामिल किया

मजबूत फॉर्मेट है।।छप् से बात करते हुए, जैन ने अपने शहर इंदौर का



बल्लेबाज और ऑफ-स्पिनर हैं। उन्होंने 54 फर्स्ट-क्लास मैचों में 31.75 की औसत से 2,223 रन बनाए हैं और 27.30 की औसत से 188 विकेट लिए हैं। हालांकि उन्होंने 67 लिस्ट ए और टी20 मैच भी खेले हैं लेकिन रेड-बॉल क्रिकेट उनका सबसे

आवाड़ा समूह ने गुजरात और महाराष्ट्र में रिनैवल एनर्जी प्रोजेक्ट्स हेतु 1.3 अरब डॉलर जुटाए

दिल्ली। आवाड़ा समूह ने गुजरात और महाराष्ट्र में 2,150 मेगावाट की अपनी नवीकरणीय ऊर्जा परियोजनाओं के लिए 1.3 अरब डॉलर की वित्तीय व्यवस्था सुनिश्चित कर ली है। कंपनी ने शुक्रवार को बयान में कहा कि भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई), आरईसी लिमिटेड और केनरा बैंक सहित भारतीय वित्तीय संस्थानों ने चार विशेष प्रयोजन इकाइयों (एसपीवी) के माध्यम से इस वित्तपोषण को मंजूरी दी है। इसमें 1.35 गीगावाट (1,350 मेगावाट) की हाइब्रिड नवीकरणीय ऊर्जा परियोजनाएं और 800 मेगावाट की यूटिलिटी स्तर की सौर ऊर्जा परियोजनाएं शामिल हैं।इनका विकास महाराष्ट्र राज्य विद्युत वितरण कंपनी लिमिटेड (एमएसईडीसीएल) और गुजरात ऊर्जा विकास निगम लिमिटेड (जीयूवीएनएल) जैसी प्रमुख राज्य बिजली वितरण कंपनियों के लिए किया जा रहा है। इन परियोजनाओं के तहत गुजरात और महाराष्ट्र के विभिन्न स्थानों पर 3,000 मेगावाट से अधिक सौर ऊर्जा क्षमता और 450 मेगावाट पवन ऊर्जा क्षमता विकसित की जाएगी। कंपनी ने कहा कि इस स्तर का वित्तपोषण और देश के प्रमुख वित्तीय संस्थानों की भागीदारी आवाड़ा समूह के कामकाज, अनुशासित परियोजना क्रियान्वयन, परिसंपत्तियों की मजबूत गुणवत्ता और दीर्घकालिक वृद्धि रणनीति पर वित्तीय संस्थानों के भरोसे को दर्शाती है। आवाड़ा समूह के चेयरमैन विनीत मित्तल ने कहा, “ रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण इन नवीकरणीय ऊर्जा परियोजनाओं के लिए 1.3 अरब डॉलर से अधिक की वित्तीय व्यवस्था सुनिश्चित होना आवाड़ा समूह के लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। हमारी हाइब्रिड परियोजनाओं को बिजली आपूर्ति की विश्वसनीयता और ग्रिड की स्थिरता बढ़ाने के लिए तैयार किया गया है जबकि हमारी सौर परियोजनाएं महाराष्ट्र और गुजरात को दीर्घकालिक बिजली उपलब्ध कराएंगी।



थे, और कम से कम पांच मैच खेलने वाले भारतीय टेस्ट कप्तानों में उनका जीत प्रतिशत सबसे अंदि

क रहा।ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ ऐतिहासिक जीत उनके कार्यकाल में मेलबर्न में एक यादगार वापसी जीत और ऑस्ट्रेलिया में गाबा में भारत की ऐतिहासिक जीत शामिल है, जिसने 2020–21

बॉर्डर–गावस्कर ट्रॉफी के दौरान ऑस्ट्रेलिया के लंबे अपरजित क्रम को समाप्त कर दिया, जिसे एशियाई दिग्गजों ने 2–1 से जीता था।र

सब कुछ दिया है।भारतीय टीम के सबसे मजबूत बल्लेबाजों में से एक

माने जाने वाले रहाणे ने जब भी टीम इंडिया का प्रतिनिधित्व करने का मौका मिला, तो निस्संदेह अपना सब कुछ झोंक दिया। अपने करियर के दौरान, 38 वर्षीय खिलाड़ी ने कुल 85 टेस्ट, 90 वनडे और 20 ्य20 मैच खेले। इन 195 मैचों में रहाणे ने कुल 8,414 रन बनाए,

माने जाने वाले रहाणे ने जब भी टीम इंडिया का प्रतिनिधित्व करने का मौका मिला, तो निस्संदेह अपना सब कुछ झोंक दिया। अपने करियर के दौरान, 38 वर्षीय खिलाड़ी ने कुल 85 टेस्ट, 90 वनडे और 20 ्य20 मैच खेले। इन 195 मैचों में रहाणे ने कुल 8,414 रन बनाए,

और हर क्षेत्र में इंदौर प्रतिभाओं का केंद्र रहा है। मुझे बहुत खुशी है कि मैं इंदौर से हूँ और मैं इंदौर का नाम

और भी बड़ा और ऊंचा करने की कोशिश करूंगा। जैन ने बताया कि उन्हें इंदौर में मंदिरों के बीच यात्रा करते समय सोशल मीडिया से पता चला कि उन्हें पहली बार भारत की टेस्ट टीम में चुना गया हैय जल्द ही बघाई संदेशों और फोन कॉल्स से इस खबर की पुष्टि भी हो गई। उन्होंने कहा कि मुझे सुबह सोशल मीडिया से पता चला। मैं रंजीत हनुमान मंदिर में था और जब मैं कार में बैठकर नकोड़ा भैरव के पास गुमास्ता नगर जैन मंदिर जा रहा था, तब मुझे खबर मिली... कई मैसेज और कॉल आए और फिर इसकी पुष्टि हुई। जैन ने उस मुश्किल दौर को याद किया जब उन्होंने अपने पिता की कैंसर से लड़ई के दौरान क्रिकेट छोड़ने के बारे में सोचा था।

